CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 265 ता. 03 अप्रेल 2021, शनिवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सचिन वाझे के साथ होटल में दिखी 'मिस्ट्री वुमेन' के राज से उठेगा पर्दा

मुंबई। एंटीलिया केस में मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाझे के साथ फाइव स्टार होटल में दिखी मिस्ट्री वुमन की गुत्थी अब सुलझने वाली है। एनआईए यानी नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी ने गुरुवार शाम को उस महिला को हिरासत में ले लिया, जो 16 फरवरी को साउथ मुंबई स्थित एक फाइव स्टार होटल में सचिन वाझे के साथ दिखी थी। दरअसल, एनआईए मुकेश अंबानी के घर के पास से बरामद एसयूवी और मनसुख हिरन की मौत के मामले में गुरुवार को दक्षिण मुम्बई के एक होटल और एक क्लब की तलाशी ली। इसके अलावा, एजेंसी ने ठाणे के एक फ्लैट में भी तलाशी अभियान चलाया, जहां से उस महिला को हिरासत में लिया गया। बताया जाता है कि यह महिला मुख्य आरोपी सचिन वाजे की करीबी सहयोगी है, जिसे हिरासत में ले लिया गया है। टीओआई की खबर के मुताबिक, एनआईए ने गुरुवार की शाम को जिस महिला को हिरासत में लिया है, वह वही है जो होटल में सचिन वाझे के साथ दिखी थी। हिरासत में लेने से पहले उससे पूछताछ भी की गई है। एनआईए के अधिकारियों ने कहा कि महिला, सचिन वाझे के काले धन को सफेद करने के लिए काम कर रही थी। उसने दो आईडी का उपयोग करके ऐसा किया और उसके पास नोट गिनने की मशीन थी, जो पिछले महीने वाझे की मर्सिडीज कार में मिली थी। दरअससल, 16 फरवरी को जब सचिन वाझे दक्षिण मुंबई के एक फाइव स्टार होटल में देखे गए थे, तो उनके साथ एक महिला थी और पांच बड़े बैग थे। मिस्ट्री वुमन की जानकारी अब तक तो सामने नहीं आई थी, हालांकि, उन बैगों को लेकर कहा गया कि उनमें कैश थे। एनआईए के सूत्रों ने यह कन्फर्म किया था कि घटना वाले दिन सचिन वाझे पैसों से भरे पांच बैग लेकर जा रहे थे। समाचार एजेंसी भाषा के मुताबिक,

ताबड़तोड़ रेड के बाद एनआईए ने हिरासत में लिया

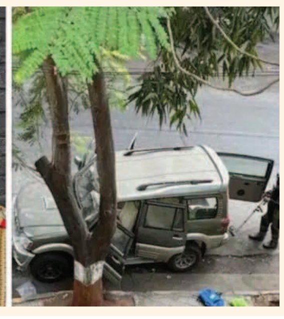

एएनआई अधिकारियों ने बताया कि एनआईए का एक दल दोपहर करीब पौने एक बजे बाबुलनाथ मंदिर के पास सोनी बिल्डिंग में बने एक होटल और क्लब में पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि होटल में मौजूद लोगों और कर्मचारियों को परिसर खाली करने को कहा गया। अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान एनआईए के कर्मचारियों ने क्लब और होटल में कुछ लोगों से पूछताछ की। जांच दल करीब तीन घंटे बाद वहां से रवाना हुआ। गामदेवी थाने के कुछ अधिकारी भी वहां मौजूद थे, क्योंकि यह इलाका इसी थाने के तहत आता है। सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी मामले में अपनी जांच के सिलसिले में मुम्बई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाझे को हाल ही में बाबुलनाथ इलाके में लेकर आई थी। वहीं, एनआईए के दूसरे दल ने ठाणे जिले के मीरा रोड स्थित एक फ्लैट की भी तलाशी ली। सूत्रों ने बताया कि इस फ्लैट में एक महिला (मिस्ट्री वुमन) रहती थी और यह करीब दो सप्ताह से बंद था। उन्होंने बताया कि उस महिला को शाम में हवाई अड्डा पर हिरासत में ले लिया गया। महिला कथित तौर पर वाझे की करीबी सहयोगी है। बता दें कि अंबानी के घर के पास एक एसयूवी से जिलेटिन की छड़ें बरामद होने के बाद से वाझे एनआईए की जांच के घेरे में आए थे। वाझे को 13 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद वाजे को निलंबित कर दिया गया था। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बुधवार को दावा किया था कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के निकट एक वाहन में मिली जिलेटिन की छड़ों की खरीद मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाझे ने की थी। एनआईए ने रविवार को एक लैपटॉप, एक प्रिंटर, दो हार्ड डिस्क, दो वाहन नंबर प्लेट, दो डीवीआर और दो सीपीयू को गोताखोरों की मदद से मीठी नदी से बरामद किया था। एनआईए 25 फरवरी को अंबानी के घर के बाहर जिलेटिन छड़ों के साथ एसयूवी खड़ी करने और कारोबारी मनसुख हिरन की मौत के मामले में वाझे की कथित भूमिका की जांच कर रही है। हिरन का शव पांच मार्च को ठाणे के मुंब्रा कस्बे में एक नाले में मिला था।

स्टालिन के बेटे का आरोप- पीएम मोदी के टॉर्चर से हुई सुषमा-जेटली की मौत, बांसुरी और सोनाली ने किया पलटवार

नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के प्रमुख एमके स्टालिन के बेटे उधैनिधि स्टालिन की टिप्पणियों से विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा था कि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज और अरुण जेटली की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ÷प्रताड़ना÷ और ÷दबाव÷ के कारण मृत्यु हो गई। स्टालिन के बेटे को बीजेपी के दिवंगत नेताओं की बेटियों ने जवाब दिया है।

गुरुवार को पीएम मोदी पर हमला करते हुए उधैनिधि स्टालिन ने कहा था, सुषमा स्वराज की मृत्यु पीएम मोदी के दबाव के कारण हो गई थी। अरुण जेटली का निधन मोदी की यातना के कारण हो गया था। इसके अलावा, डीएमके नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं जैसे वेंकैया नायडू को दरकिनार कर दिया। प्रधानमंत्री पर उधैनिधि स्टालिन के गंभीर आरोपों का जवाब देते हुए, सुषमा स्वराज की बेटी बंसुरी स्वराज ने यह कहते हुए हमला किया कि उधैनिधि को अपनी चुनाव प्रचार के लिए मेरी मां की स्मृति का उपयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने लिखा, ÷उधयनिधि जी, कृपया मेरी मां की स्मृति का उपयोग अपने चुनाव प्रचार के लिए न करें! आपके कथन सही हैं! पीएम नरेंद्र मोदी ने मेरी मां को अत्यंत सम्मान दिया है। हमारे सबसे कठिन समय में पीएम और बीजेपी हमारे लिए खड़ी रही। आपको बयान से हमें दुख पहुंचा है। इसी तरह, अरुण जेटली की बेटी सोनाली जेटली बख्शी ने भी अपने पिता के बारे में टिप्पणी के लिए छ्रब्ध युवा नेता पर निशाना साधने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। उन्होंने लिखा, ÷उधैनिधि स्टालिन जी, मुझे पता है कि चुनावी दबाव है, लेकिन जब आप झूठ बोलते हैं और मेरे पिता की याद का अनादर करते हैं, तो मैं चुप नहीं रहूंगा। मेरे पिता अरुण जेटली और पीएम नरेंद्र मोदी जी के रिश्ते राजनीति से परे थे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में नया दावा, आगरा के लाल किले में दबा है मंदिर का विग्रह

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही मस्जिद ईदगाह विवाद का दायरा बढ़ता जा रहा है। अधिवक्ता ने सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में गुहार लगाई कि मंदिर के मूल विग्रह आगरा किले से लाकर श्रीकृष्ण जन्मस्थान में रखवाए जाएं। दावा किया कि मंदिर के मूल विग्रह आगरा किले में दीवाने खास की छोटी मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे दबे हैं। कोर्ट ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के लिए अगली तिथि 19 अप्रैल तय की है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान और ईदगाह के मध्य समझौते को गलत बताते हुए वाद दायर है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन समिति के अध्यक्ष अधिवक्ता महेन्द्र प्रताप ने अदालत में गुरुवार को प्रार्थना पत्र दिया। कहा कि ठाकुर केशवदेव महाराज विराजमान मंदिर कटरा केशवदेव का भव्य प्राचीन मंदिर उपरोक्त परिसर में था। परिसर का रकबा 13.37 एकड़ है। मुगल शासक औरंगजेब ने मंदिर तुड़वाकर उसके पत्थरों से कुछ भाग में मंदिर सीट पर ईदगाह मस्जिद का ढांचा खड़ा करा दिया। इसमें ठा. केशवदेव मंदिर के हिन्दू स्थापत्य कला व मांगलिक चिह्न वाले पत्थरों को पलटकर ढांचे के निर्माण में लगाया गया। कुछ स्थानों पर पत्थर सीधे भी लगे हैं। इसके लिए कमीशन जारी कर रिपोर्ट मंगाए जाने की याचना पूर्व में की गई है। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि औरंगजेब द्वारा मंदिर का विध्वंस कराकर उसमें मौजूद रत्नजड़ित प्रतिमाओं, मुख्य विग्रह भगवान श्रीकृष्ण व अन्य विग्रहों को आगरा के लालकिले में मौजूद दीवानेखास की छोटी मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे दबा दिया गया।

प्रार्थना पत्र में दावा है कि इतिहासकारों ने इसका उल्लेख किया है। अदालत से कहा गया कि उक्त मूल विग्रहों को वहां से निकलवाया जाए और उन्हें कटरा केशवदेव में वर्तमान परिसर के किसी भाग में बतौर साक्ष्य संरक्षित कराया जाए। 19 अप्रैल को अमीन कमीशन, यथा स्थिति, रिसीवर और आर्किलोजिकल सर्वे पर भी अदालत में सुनवाई होनी है।

दिल्ली में रोहिंग्यों के अवैध कब्जे को हटाएगी योगी सरकार, अरबों रुपए की है जमीन

लखनऊ। दिल्ली में यमुना किनारे उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग की अरबों रुपये की भूमि पर पिछली सरकारों की मिलीभगत से रोहिंग्या ने अवैध कब्जा कर लिया है। इसमें अतिक्रमण और अवैध कब्जे करने / दिलाने में दिल्ली के एक विधायक और उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के तत्कालीन कुछ अधिकारियों के नाम सामने आ रहे हैं। पूरे मामले की जानकारी होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त नाराजगी जताते हुए दिल्ली में सिंचाई विभाग की भूमि पर हुए अवैध कब्जे को खाली कराने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली के एक विधायक की मिलीभगत से हुआ कब्जा

सीएम के निर्देश पर पिछले दिनों दिल्ली में सिंचाई विभाग की 21 हेक्टेयर जमीन में से छह एकड़ को मुक्त कराया था। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की यमुना खादर में दिल्ली की सीमा में कुल 1007 हेक्टेयर जमीन है। ये जमीनें ओखला, जसोला, मदनपुर खादर, आली, सैदाबाद, जैतपुर, मोलरवंद और खुरेजी खास में हैं। इसमें सिंचाई विभाग की

20.9077 हेक्टेयर यानि 51.66 एकड़ जमीनों पर अवैध कब्जा है।

आरोप हैं कि दिल्ली के एक अल्पसंख्यक विधायक और उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के तत्कालीन अधिकारियों ने इन जमीनों पर मिलीभगत कर अतिक्रमण और अवैध कब्जे कराए थे। सिंचाई विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आने वाले दिनों में बाकी जमीन भी मुक्त कराने का अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए बड़े पैमाने पर तैयारी चल रही है।

सपा-बसपा की सरकार में हुए कब्जे

सपा और बसपा के शासनकाल में यमुना के किनारे दिल्ली में सिंचाई विभाग की अरबों रुपये कीमत की 21 हेक्टेयर जमीन पर अवैध कब्जे हो गए थे, लेकिन तत्कालीन सरकारों ने इसे खाली कराने का प्रयास नहीं किया।

आरोप है कि तत्कालीन सरकारों की सरपरस्ती में ही सिंचाई विभाग की इस जमीन पर रोहिंग्या को बसाया गया था। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में सरकार आने के बाद सरकारी जमीनों से अवैध कब्जे खाली कराने को लेकर एंटी भूमाफिया पोर्टल बनाया है और अभियान चलाकर हजारों एकड़ भूमि खाली भी कराया गया है।

इस साल भी आंबेडकर जयंती पर रहेगा सार्वजनिक अवकाश, कार्मिक मंत्रालय ने जारी किया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली। संविधान निर्माता बाबा साहब भीम राव आंबेडकर की जयंती पर इस साल भी सार्वजनिक अवकाश रहेगा। केंद्र सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर 14 अप्रैल 2021 को देशभर में सार्वजनिक अवकाश का एलान किया है। पिछले साल इस अवकाश का एलान आठ अप्रैल को किया गया था। वैसे तो बाबा साहब डॉ. आंबेडकर के जन्मदिन पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की शुरुआत मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद वर्ष 2015 से ही कर रखी है। हालांकि इसका

एलान वह हर साल एक स्पेशल आर्डर के जरिये करती है। इस बार एक सप्ताह पहले अवकाश के एलान को भी बंगाल चुनाव से जोड़ा जा रहा है। बाबा साहब की जयंती पर कार्मिक मंत्रालय के सार्वजनिक अवकाश के इस फैसले की जानकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत ने गुरुवार को ट्वीट करके दी। साथ ही देश में समरसता में बाबा साहब के योगदान को सराहा भी। वहीं आरपीआइ प्रमुख और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने सरकार के इस फैसले पर प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहब को हमेशा सम्मान दिया है।

बिहार में महंगा सफर, प्राइवेट के बाद अब इसी माह में सरकारी बसों का भी बढ़ने वाला है किराया

पटना। बिहार में अब इसी माह से सरकारी बसों का भी किराया बढ़ने वाला है। प्रदेश में डीजल से चलने वाली सरकारी बसों का किराया बढ़ेगा। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने बसों का किराया बढ़ाने का प्रस्ताव परिवहन विभाग को दिया है। किराए में कितने की वृद्धि हो, यह किराया निर्धारण कमेटी तय करेगी। जल्द इस कमिटी की बैठक होगी। नया किराया दर अप्रैल से ही लागू होगी। बिहार में निगम के अधीन कुल 380 बसें हैं। इनमें 360 बसों का परिचालन अभी हो रहा है। 20 बसों का परिचालन तकनीकी कारणों से नहीं हो रहा है। डीजल की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर निगम ने बसों का किराया बढ़ाने का निर्णय लिया है। नियमानुसार निगम द्वारा इस बाबत राज्य परिवहन आयुक्त को प्रस्ताव भेजा जाता है। साथ ही किराया निर्धारण कमेटी

की बैठक में तय होता है कि बसों का किराया कितना बढ़ाया जाए तो निगम के साथ ही यात्रियों के लिए भी मुफीद हो। हर पहलू पर विमर्श के बाद ही बसों का किराया बढ़ाया जाएगा।

निजी बसों के किराए में हुई है वृद्धि

राज्य की निजी बसों के किराए में हाल ही वृद्धि हुई है। 14 मार्च की मध्य रात्रि से बसों का बढ़ा हुआ किराया लागू हुआ। निजी बसों के संचालक संघ ने 20 फीसदी किराया बढ़ाया है। राज्य में यात्री बसों की संख्या लगभग 60 हजार है। किराया बढ़ाने के पीछे संघ का तर्क था कि डीजल के अलावा टोल टैक्स में वृद्धि हुई। साथ ही बसों का मेंटेनेंस महंगा हुआ। कर्मचारियों को रखने में पूर्व की तुलना में अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं।

दरभंगा एयरपोर्ट के लिए बस

दरभंगा एयरपोर्ट के लिए निगम विशेष इलेक्ट्रिक बसों का परिचालन करेगा। शुक्रवार को मुजफ्फरपुर से दरभंगा के लिए इलेक्ट्रिक बसों का परिचालन होगा। निगम के प्रशासक श्याम किशोर व संबंधित जिले के जिलाधिकारी व नगर आयुक्त की मौजूदगी में बसों का परिचालन शुरू किया जाएगा। एसीयुक्त इलेक्ट्रिक बसों का परिचालन कराने के पीछे निगम की कोशिश है कि एयरपोर्ट आने-जाने के क्रम में इस पर सफर करने वाले बता सकें कि बढ़ते बिहार में अब इलेक्ट्रिक बसों का भी परिचालन हो रहा है।

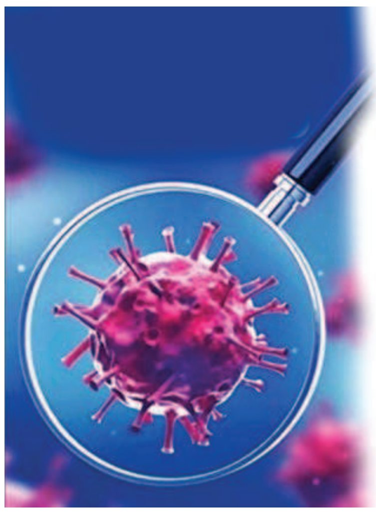

मुंबई में कोरोना का कहर, बंद हो सकते हैं धार्मिक स्थल, ट्रेन सेवा पर लग सकते हैं प्रतिबंध

नई दिल्ली। मुंबई ने गुरुवार को 8,646 नए कोरोनोवायरस मामलों की सूचना दी, महामारी के प्रकोप के बाद से इसका उच्चतम एक दिवसीय उदय महापौर किशोरी पेडनेकर ने संकेत दिया कि 2 अप्रैल से शहर में कुछ प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। जिसमें धार्मिक स्थलों का बंद होना और ट्रेन सुविधाएं शामिल हो सकती हैं। वहीं दूसरी ओर मुंबई का कुल केसलोड अब 4,23,360 है। इसी के साथ ही

18 मरीजों की मौत हो गई जो दिसंबर के बाद सबसे ज्यादा है, इसके बाद मरने वालों की सं संख्या 11,704 हो गई।

बीएमसी ने कहा कि दिन के दौरान 5,031 लोगों को अस्पतालों से छुट्टी मिल गई, रिकवरी काउंट बढ़कर 3,55,691 हो गया। मुंबई की कोविद -19 रिकवरी रेट अब 84 प्रतिशत है।

संक्रमण वृद्धि दर बढ़कर 1.38 प्रतिशत हो गई है और दोहरीकरण दर घटकर 49 दिन रह गई है।शहर में 80 सक्रिय नियंत्रण क्षेत्र हैं, जहां वायरस के प्रसार को रोकने के लिए 650 इमारतों को सील कर दिया गया है।

इन सेवाओं पर लग सकती है रोक

मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा है कि ताजा कोविड -19 लहर पर अंकुश लगाने के लिए शहर में नए कोविड -19 प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा है कि होटलों को बैठने की क्षमता के 50 प्रतिशत पर काम करने के लिए कहा जा सकता है और धार्मिक स्थान पूरी तरह से बंद हो सकते हैं क्योंकि लोग सुनते नहीं हैं। महापौर ने कहा, ट्रेन यात्रा पहले की तरह केवल आवश्यक सेवा कर्मचारियों तक ही सीमित रह सकती है। मेयर पेडनेकर ने यह भी कहा कि निजी कार्यालयों को दो शिफ्टों में काम करने के लिए कहा जा सकता है।

रॉबर्ट वाड्रा को हुआ कोरोना प्रियंका गांधी भी हुईं आइसोलेट

नई दिल्ली । प्रियंका गांधी ने ट्विटर पर पोस्ट कर जानकारी दी है कि हाल ही में वह कोरोना संक्रमण के संपर्क में आई है। जिसके कारण डॉक्टरों की सलाह पर वह खुद का आईसोलेट कर रही हैं. बता दें कि प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं। रॉबर्ट वाड्रा ने फेसबुक पोस्ट के जरिए बताया कि वह कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं। जिसके बाद प्रियंका गांधी ने भई खुद को आईसोलेट कर लिया है। उन्होंने कहा है कि उनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। लेकिन डॉक्टरों के कहने पर उन्होंने खुद को आईसोलेट कर लिया है। इसी वजह से उनकी सभी चुनाव रैलियां भी रद्द कर दी गई है। हाल में कोरोना संक्रमण के संपर्क में आने के चलते मुझे अपना असम दौरा रद्द करना पड़ रहा है। मेरी बृहस्पतिवार की रिपोर्ट नेगेटिव आई है मगर डॉक्टरों की सलाह पर मैं अगले कुछ दिनों तक आइसोलेशन में रहूँगी। इस असुविधा के लिए मैं आप सभी से क्षमाप्रार्थी हूँ। मैं कांग्रेस विजय की प्रार्थना करती हूँ प्रियंका गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा, हाल में कोरोना संक्रमण के संपर्क में आने के चलते मुझे अपना असम दौरा रद्द करना पड़ रहा है। मेरी बृहस्पतिवार की रिपोर्ट नेगेटिव आई है मगर डॉक्टरों की सलाह पर मैं अगले कुछ दिनों तक आइसोलेशन में रहूँगी। इस असुविधा के लिए मैं आप सभी से क्षमाप्रार्थी हूँ। मैं कांग्रेस विजय की प्रार्थना करती हूँ। रॉबर्ट वाड्रा ने फेसबुक पोस्ट में अपने कोरोना पॉजीटिव होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह अभी एसिमटोमेटिक हैं।

कोरोना संक्रमण की तेज रफ्तार के चलते पुणे में अगले सात दिनों तक लगा आंशिक लॉकडाउन

पुणे। महाराष्ट्र में कोरोना की तेज रफ्तार ने चिंता बढ़ा दी है। कोरोना की दूसरी लहर हर आम-खास को अपनी चपेट में ले रही है। कोरोना पर केंद्र सरकार एक्शन में है। वहीं महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में 43 हजार से ज्यादा केस सामने आए हैं। जिसके बाद राज्य सरकार ने कोरोना को लेकर पुणे में 7 दिनों के लिए आंशिक लॉकडाउन का फैसला लिया गया। पुणे में एक हफ्ते तक होटल रेस्टोरेंट बंद रहेंगे। ये फैसला मीटिंग में लिया गया जिसे अजित पवार लीड कर रहे थे। गौरतलब है कि पुणे जिले में पिछले 24 घंटों में 8,605 मामले सामने आए थे। वहीं पूरे देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर जानलेवा साबित हो रही है। गुरुवार को इसके 72 हजार मामले सामने और 459 मरीजों की मौत हुई है।

दिल्ली पुलिस आरक्षक की पत्नी ने की खुदकुशी, बाथरूम में बेहोश मिले बच्चे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के दक्षिण पश्चिम के घिटोरनी गांव में दिल्ली पुलिस आरक्षक की पत्नी ने अपने घर में फंदा लगाकर कथित रूप से खुदकुशी कर ली। अधिकारियों ने शुक्रवार को इस बारे में बताया। पुलिस के अनुसार गुरुवार शाम को एक व्यक्ति ने फोन कर सूचित किया कि कांस्टेबल की पत्नी और दो बेटे घर पर हैं लेकिन कोई दरवाजा नहीं खोल रहा। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पश्चिम) इंगित प्रताप सिंह ने बताया, 'पुलिस घिटोरनी गांव में घटनास्थल पहुंची और घर का दरवाजा भीतर से बंद पाया। बाद में पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और कांस्टेबल सुशील की पत्नी राजेश का शव घर के अंदर पंखे से लटका पाया।' पुलिस ने बताया कि दंपति के दोनों बेटे बाथरूम में बेहोशी की हालत में मिले जिन्हें वसंत कुंज में फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि बड़े बेटे की हालत स्थिर है लेकिन छोटे बेटे की स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने बताया कि दंपति का विवाह 2014 में हुआ था।

महाराष्ट्र में गंभीर होती स्थिति के बीच फिर बंद किए जा सकते हैं धार्मिक स्थल, उद्धव ने बुलाई बैठक

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। महाराष्ट्र कोरोना के सक्रिय मामलों में टॉप पर है और राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 10293 बढ़कर 3,67,897 हो गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में 32,631 और मरीज स्वस्थ हुए, जिसे मिलाकर कोरोना को मात देने वालों की तादाद 24,33, 368 पहुंच गई है, जबकि 249 और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 54,898 हो गया है। कोरोना की शुरुआत से लेकर अबतक किसी भी एक राज्य में एक दिन में इतने केस दर्ज नहीं किए गए हैं। वहीं कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य में नई पाबंदियों का ऐलान हो सकता है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार शाम को एक आपात बैठक बुलाई है जिसमें नई पाबंदियों का ऐलान हो सकता है। वहीं पुणे में लॉकडाउन को लेकर भी बैठक में फैसला होगा। बीएमसी मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा कि सीएम के साथ बैठक में होटलों से लेकर धार्मिक स्थानों को लेकर फैसला हो सकता हैं।

एंटीलिया केस में तिहाड़ में बंद गैंगस्टर के टेलीग्राम संदेशों की एनआईए ने शुरू की जांच

मुम्बई । उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास एसयूवी बरामद होने के मामले में तिहाड़ जेल में बंद एक गैंगस्टर की भूमिका की जांच की जा रही है। इस एसयूवी में विस्फोटक बरामद किए गए थे और जैश-उल-हिंद नाम के एक संगठन ने टेलीग्राम (एप) पर एक संदेश भेज इस घटना की जिम्मेदारी लेने का दावा किया था। इस संदेश के संबंध में ही गैंगस्टर की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दोषी व्यक्ति के मुम्बई के अंडरवर्ल्ड से संबंध हैं। पिछले कुछ दिनों से उसका दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। अंबानी के दक्षिण मुम्बई स्थित घर एंटीलिया के पास से 25 फरवरी को एक कार में से जिलेटिन की छड़ें बरामद हुई थी। पुलिस ने बताया कि टेलीग्राम (एप) पर 26 फरवरी को एक अकाउंट बनाया गया था और 27 फरवरी देर रात एक संदेश जारी कर अंबानी के घर के बाहर वाहन खड़ा करने की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गय। वहीं, 28 फरवरी को जैश-उल-हिंद का एक अन्य संदेश भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें संगठन ने दावा किया था कि उसकी घटना में कोई संलिप्तता नहीं है। पुलिस के अधिकारी ने कहा एक निजी साइबर एजेंसी की मदद से की गई जांच में सामने आया कि टेलीग्राम अकाउंट तिहाड़ जेल के अंदर बनाया गया।

पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला, कहा- भाई- भतीजावाद फैलाना है विपक्ष का लक्ष्य

नेशनल डेस्क।

विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कन्याकुमारी में जनता को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने खुद को एक वंश क्लब में कम कर लिया है। वे सभी चाहते हैं कि अपने बच्चों और पोते की स्थिति को सुरक्षित रखें। वे आपके बेटों और बेटी के बारे में परेशान नहीं हैं। पीएम मोदी ने कहा आज राष्ट्र की मनोदशा स्पष्ट रूप से भाई-भतीजावाद और हक की राजनीति के खिलाफ है। देश का विकास ही बीजेपी के लिए पहला काम है। उन्होंने कहा कि किसी भी गठबंधन में कांग्रेस का होना एक ऐसे सहयोगी की तरह है, जो स्थानीय संवेदनाओं को नहीं समझता है । हमारी विचारधारा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास है और इस मंत्र के मूल में सभी के प्रति करुणा की भावना है।

द्रमुक, कांग्रेस झूठ फैलाने की कला के गुरु हैं- मोदी

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) तथा उसकी सहयोगी कांग्रेस पर हमला बोला और कहा कि ये दोनों पार्टियां काम नहीं करने तथा जो लोग वास्तव में काम करते हैं, उनके बारे में झूठ फैलाने की कला में माहिर हैं। श्री मोदी ने राज्य में छह अप्रैल को होने वाले वाले विधानसभा चुनावों को लेकर आज यहां चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन, जिसकी सहयोगी पार्टी द्रमुक है, ने जल्लीकट्टू को प्रतिबंधित किया था, जबकि तमिलनाडु की अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्ना द्रमुक) सरकार तथा भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंध (राजग) सरकार ने इसे फिर से शुरू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि द्रमुक तथा कांग्रेस के पास बात करने के लिए कोई वास्तविक मुद्दा नहीं है। उन लोगों को झूठ बोलना बंद करना चाहिए क्योंकि जनता मूर्ख नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस-द्रमुक खुद को ऐसा दिखा रहे हैं कि तमिलनाडु की संस्कृति का सिर्फ वे ही रक्षक है, लेकिन हकीकत कुछ और है।

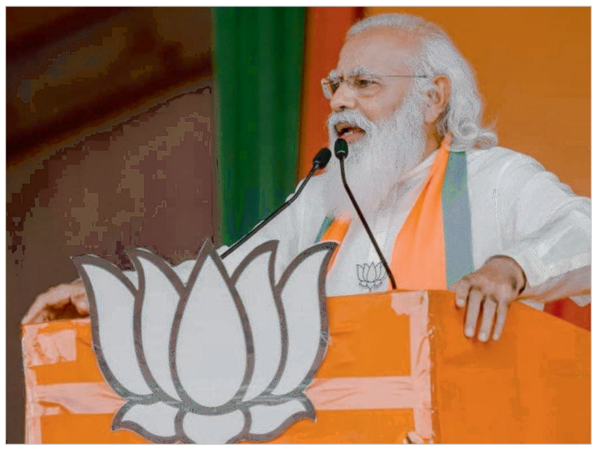

जोधपुर- पाली में भीषण सड़क दुर्घटना, ट्रॉले के नीचे दबी कार, महिला सहित चार लोगों की मौत

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर संभाग के पाली जिले में शुक्रवार सवेरे हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। सभी लोग कार में सवार थे, जिन पर मार्बल से भरा कंटेनर गिर गया। चालक समेत सभी लोग इसके नीचे दब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पाली जिले के पुलिस अधीक्षक कालू सिंह रावत सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और क्रेन की मदद से शवों को बाहर निकाला गया है जिनको पाली जिले के गुंदोज अस्पताल मोर्चरी में रखवाया गया है। सभी जोधपुर के बताए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार आज सवेरे पाली से सिरोही राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना गुड एंदला क्षेत्र में बालराई गांव के समीप एक कार नंबर आरजे 19 टीए9226 जो पाली से सिरोही की तरफ जा रही थी। तभी गुजरात नंबर जीजे12बीटी 3880 का एक कंटेनर ट्रोला ओवरटेक करने के चक्कर मे कार के ऊपर जा गिरा। कंटेनर में मार्बल भरा हुआ था, जो काफी वजनदार था। इससे कार पूरी तरीके से दब गई और उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान जोधपुर निवासियों के रूप में कई गई है। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर पाली एसपी कालूराम रावत सहित गुड़ा एंडला थाना स्टाफ भी मौके पर पहुंचा और क्रेन की मदद से गिरे हुए टैंकर को अलग किया। इसके बाद हाईवे को पुनः खुलवाया गया। मृतकों में एक महिला भी शामिल है। गुडा एंदला थाना अधिकारी बिहारीलाल शर्मा ने बताया कि हादसे में मनोज शर्मा निवासी जालोर, अश्विनी कुमार दवे निवासी विश्वकर्मा नगर सर्वोदय स्कूल के पास भदवासिया जोधपुर, बुद्धाराम पुत्र तुलसीराम प्रजापत निवासी प्लॉट नंबर 633 विस्तार कमला नेहरू नगर जोधपुर व रश्मि देवी पत्नी अश्विनी कुमार दवे की मौत हो गई है। मनोज कुमार शर्मा अजमेर मेडिकल कॉलेज के वित्तीय सलाहकार बताए जा रहे हैं। शवों को पाली जिले के गुंदोज अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है, जहां अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वहीं, मृतकों के परिजनों को भी इत्तला करवाई गई है। दुर्घटना में कार बुरी तरह टूट कर बिखर गई, जिसे क्रेन की सहायता से सड़क किनारे करवाया गया।

पंजाब में ज्यादा काम करवाने के लिए बिहार-यूपी के मजदूरों को दिए जाते हैं ड्रग्स: गृह मंत्रालय

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पंजाब सरकार को पत्र लिखा है जिसमें राज्य के सीमावर्ती गांवों में किसानों के साथ काम करने वाले बंधुआ मजदूरों की एक गंभीर समस्या पर विचार करने के लिए कहा है। इस मामले से जुड़े लोगों ने इसकी जानकारी दी है। गृह मंत्रालय ने जिन मजदूरों को लेकर चिंता जताई है, उनमें अधिकांश बिहार और उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। ये बंधुआ मजदूर अच्छे वेतन के वादे पर पंजाब में काम करने के लिए अपने घर से से सैकड़ों किलोमीटर दूर जाते हैं। लेकिन, पंजाब पहुंचने के बाद उनका शोषण किया जाता है। खराब भुगतान किया जाता है। 17 मार्च को पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी को लिखे गए पत्र के अनुसार इस अमानवीय व्यवहार के बारे में पता चला है। मंत्रालय ने कहा कि बंधुआ मजदूरों को अक्सर ड्रग्स दिया जाता है, जिससे उन्हें खेतों में लंबे समय तक काम करने में मदद मिलती है,। इससे उनकी मानसिक और शारीरिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ती है। मंत्रालय ने कहा समस्या ध्यान में रखते हुए, जिसमें मानव तस्करी, बंधुआ मजदूरी और मानवाधिकारों का उल्लंघन शामिल है, आपसे अनुरोध है कि इस मामले को देखें और इसके समाधान के लिए उचित कदम उठाएं। राज्य सरकार से इस मामले पर प्राथमिकता आधार पर कार्रवाई की रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। गृह मंत्रालय ने केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय को इस मामले को चिह्नित किया है, जिसमें सभी राज्यों विशेष रूप से बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा को विभिन्न स्तरों पर जागरूकता पैदा करने के लिए उपयुक्त निर्देश जारी करने को कहा है। राज्यों को, यह सुनिश्चित करने के लिए कि बेहतर रोजगार की संभावनाओं और पारिश्रमिक आदि के लिए झूठे वादे करके गरीब और कमजोर पीड़ितों को बेईमान तत्वों द्वारा धोखा दिया जाता है। 2019 और 2020 में पंजाब के गुरदासपुर, अमृतसर, फिरोजपुर और अबोहर के सीमावर्ती गांवों से पकड़े गए लोगों के आधार पर परेशान करने की प्रवृत्ति का विवरण साझा किया गया है। सीमा सुरक्षा बल ने इन दोनों जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों से 58 भारतीय नागरिकों को पकड़ा है। गृह मंत्रालय ने पत्र में लिखा है, पूछताछ के दौरान, यह सामने आया कि उनमें से ज्यादातर या तो मानसिक रूप से विकलांग थे या मानसिक रूप से कमजोर थे।

असम ईवीएम मामला में चार अधिकारी निलंबित, 1 बूथ पर पुनः मतदान

गुवाहाटी।

पूर्वोत्तर राज्य असम में ईवीएम मामले में चुनाव आयोग ने कड़ा रुख अपनाते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। चुनाव आयोग के सूत्रों के हवाले से जानकारी है कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के चार अधिकारियों को असम ईवीएम मामले में निलंबित कर दिया है। चुनाव आयोग ने बताया कि परिवहन प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के लिए पीठासीन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही पीओ और तीन अन्य अधिकारियों को निलंबित किया गया है। हालांकि, ईवीएम की सील बंद मिली, लेकिन एलएसी 1 रतबाड़ी(एससी) के इंदिरा एमवी स्कूल, संख्या 149 पर दोबारा मतदान कराने का फैसला किया गया है। चुनाव आयोग ने असम में ईवीएम से जुड़ी घटना पर तथ्यात्मक रिपोर्ट जारी की है। चुनाव आयोग की रिपोर्ट में बताया गया है कि पोलिंग पार्टी 149-इंदिरा एमवी स्कूल ऑफ एलएसी 1 रतबारी (एससी) का रास्ते में एक्सीडेंट हो गया था। उस पोलिंग पार्टी में एक पीठासीन अधिकारी और 3 मतदान कर्मी शामिल थे। उनके साथ एक कांस्टेबल और एक होमगार्ड शामिल पुलिस कर्मी भी थे।

जांच में सामने आई सच्चाई !

इससे पहले असम में भाजपा उम्मीदवार की कार में ईवीएम मिलने के मामले में चुनाव आयोग ने जांच शुरू की। चुनाव आयोग को भाजपा विधायक की गाड़ी में ईवीएम मिले जाने की अब तक जो रिपोर्ट आई है, उसके मुताबिक असम में पोलिंग पार्टी की गाड़ी खराब हो गई थी जिसके बाद पीठासीन अधिकारी ने भाजपा विधायक की गाड़ी में लिफ्ट लेने की बात कही है। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, लिफ्ट लेकर जब भाजपा विधायक की गाड़ी से पोलिंग पार्टी लौट रही थी तभी स्थानीय लोगों ने देख लिया और गाड़ी रोक दिया। पोलिंग पार्टी के सदस्यों को स्थानीय लोगों ने गाड़ी से निकाल दिया और भीड़ हिंसात्मक भी होने लगी।

चुनाव आयोग को मिली सूचना के मुताबिक जो ईवीएम बीजेपी विधायक की गाड़ी से मिला है वोटिंग के बाद की है। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक ईवीएम का सील नहीं टूटा है। इस बीच चुनाव आयोग को जिला निर्वाचन अधिकारी से दूसरी रिपोर्ट का भी चुनाव है को इंतजार है।

कैसे सामने आया मामला?

असम विधानसभा चुनाव 2021 की पथरकंडी सीट पर दूसरे चरण में कल 1 अप्रैल को वोटिंग हुई। इस वोटिंग के बाद असम में ईवीएम मामला सामने आया। वोटिंग के बाद पथराखंडी से बीजेपी उम्मीदवार कृष्णेंदू पॉल मुश्किलों में फंस गए। कांग्रेस ने उनकी कार से ईवीएम मिलने का आरोप लगाया और चुनाव आयोग से इस मामले पर जवाब मांगा। बताया गया कि ये ईवीएम वोटिंग के बाद बीजेपी उम्मीदवार की कार में मिली है। कांग्रेस नेता सरल पटेल ने एक ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी थी और कहा कि कृष्णेंदू पॉल के कार से ईवीएम पाई गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को बताना चाहिए कि ईवीएम उनकी कार में क्यों और कैसे हैं। इस मामले की जांच होनी चाहिए। असम विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में गुरुवार को 77.21 प्रतिशत मतदान हुआ। दूसरे चरण के चुनाव में 13 जिलों में 10,592 मतदान केंद्रों पर मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

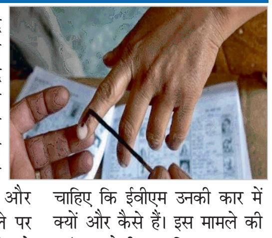

अखिलेश ने कोरोना वैक्सीन पर उठाया था सवाल चाचा शिवपाल ने लगवाया टीका

नई दिल्ली।

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के कर्ता-धर्ता शिवपाल सिंह यादव ने लखनऊ के लोहिया संस्थान में कोराना का स्वदेशी टीका लगवाया। आज उन्हें कोवीशील्ड की पहली डोज लगाई गई। 28 दिन बाद शिवपाल टीके की दूसरी डोज लेंगे। इससे पहले शिवपाल सिंह यादव ने कहा था कि भारतीय वैज्ञानिकों ने काफी मेहनत करके टीके बनाए हैं। हम उनका स्वागत करते हैं। उनकी मेधा और उद्यमिता को नमन है। गौरतलब है शिवपाल के भतीजे, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोरोना वैक्सीन पर सवाल उठाते हुए दो जनवरी को हुई एक प्रेस वार्ता में कहा था कि भाजपा का यह कोरोना का वैक्सीन है, इसलिए मैं इस पर कैसे भरोसा कर सकता हूं। इसके उनके कई समर्थक और समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों ने भी कोरोना के टीके का विरोध किया था। अखिलेश के बाद इटावा के पूर्व सांसद प्रेमदास कठेरिया ने भी कोरोना का टीका लगवाने का विरोध किया था लेकिन अब अखिलेश यादव के रिश्तेदार आगे बढ़कर टीका लगवा रहे हैं। नौ मार्च को अखिलेश की बुआ और फूफा ने भी टीका लगवाया था। अब देखना है कि अखिलेश और उनके परिवार के बाकी लोग टीका लगवाते हैं या नहीं। यूपी में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ने लगा है। मात्र 24 घंटों में नए मामलों की संख्या दोगुने से ज्यादा बढ़ी है। बुधवार को एक दिन में 1230 संक्रमित मिले थे जबकि गुरुवार को बढ़कर 2600 पर पहुंच गई। हालांकि कोरोना से होने वाली मौत के मामले में कुछ राहत रही। गुरुवार को प्रदेश में 9 लोगों की संक्रमण से मौत हुई जबकि एक दिन पहले बुधवार को यह संख्या 11 थी। कोरोना संक्रमण बढ़ने से वाराणसी समेत पूरे पूर्वांचल में दहशत का माहौल है। गुरुवार को वाराणसी के 196 समेत पूर्वांचल में 357 कोरोना संक्रमित मिले हैं। वहीं वाराणसी और बलिया में तीन संक्रमितों की मौत हो गई है। गुरुवार को मिले संक्रमितों को अस्पताल में आइसोलेट कराया गया है। पूर्वांचल में फिर से कोरोना संक्रमण बढ़ने लगा है।

जेपी नड्डा ने कांग्रेस को लिया आढ़े हाथों, कहा- सत्ता के लालच में मानसिक और वैचारिक रूप से हुई दिवालिया

नेशनल डेस्क।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर ''अवसरवाद की राजनीति'' में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि पार्टी सत्ता के लालच में मानसिक और वैचारिक रूप से दिवालिया हो गई है। तीन विधानसभा क्षेत्रों में जनसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने दावा किया कि कांग्रेस ने ' सांप्रदायिक' शक्तियों के साथ गठबंधन किया है और वाम दलों के साथ उसके रिश्ते राज्यवार बदलते रहते हैं। बता दें कि असम की इन तीनों सीटों पर विधानसभा चुनाव के तीसरे एवं अंतिम चरण में मतदान होना है।

कांग्रेस मानसिक रूप से दिवालिया

नड्डा ने कहा, 'कांग्रेस मानसिक रूप से दिवालिया है। वह राजनीतिक अवसरवाद की नीति पर चलती है। भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते मैं यह बात पूरी जिम्मेदारी के साथ कहता हूं।' नड्डा ने कहा 'कांग्रेस वैचारिक रूप से दिवालिया है। यह देश की सबसे पुरानी पार्टी है और सत्ता में आने के लिए बिना किसी झिझक के उसने कुछ सांप्रदायिक पार्टियों के साथ साझेदारी की है।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस की आदत भाजपा पर सांप्रदायिक होने का आरोप लगाने की है लेकिन वह खुद केरल में मुस्लिम लीग, पश्चिम बंगाल में इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) और असम में बदरुद्दीन अजमल की पार्टी ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के साथ है।

कांग्रेस के नेता चुनाव के दौरान मंदिर जा रहे

उल्लेखनीय है कि माकपा नीत वाम मोर्चे और कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में प्रभावशाली मुस्लिम उलेमा अब्बास सिद्दिकी द्वारा नवगठित आईएसएफ से हाथ मिलाया है। नड्डा ने कहा, ''कांग्रेस ही सांप्रदायिक है। उसके नेता अब चुनाव के दौरान मंदिर जा रहे हैं लेकिन पिछले 50 साल में नहीं गए।' उन्होंने कहा, 'अगर पार्टी गंभीर होती और धार्मिक रीतिरिवाजों की राह पर चलती तो इतनी खराब स्थिति में नहीं पहुंचती जिसमें उसे ऐसी ताकतों से हाथ मिलाना पड़ता।' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनावी रैलियों में 'चंडीपाठ' कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केरल में वाम दलों से लड़ रही है लेकिन पश्चिम बंगाल और असम में उनके साथ हाथ मिलाया है।

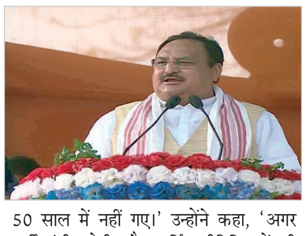

संघचालक मोहन भागवत संस्कार भारती कला संकुल का लोकार्पण

नई दिल्ली । संस्कार भारती द्वारा दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर बनाए गए कला संकुल (परिसर) का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत द्वारा किया जाएगा। यह उद्घाटन समारोह पद्मश्री हरिभाऊ वाकणकर जयंती की पूर्वसंध्या पर होगा। कला साहित्य रंगमंच के लगभग 1000 कलाकार, संस्कृतिकर्मी, कलागुरु एवं अन्य विद्वतजनो के उपस्थित रहने की संभावना है। चार मंजिला कला संकुल मुख्य रूप से कला-संस्कृति गतिविधियों का परिसर है, जिसमे कला साहित्य रंगमंच सहित अनेक विधाओं का संयोजन व संवर्धन किया जायेगा। इसमें कला-संस्कृति की पुस्तकों से सुसज्जित एक समृद्ध पुस्तकालय, आर्ट गैलरी, सभागार, स्टूडियो एवं कांफ्रेंस रूम की सुविधा उपलब्ध है। संस्कार भारती आगामी भविष्य में दिल्ली को एक 'कला नगर' का रूप स्थापित करना चाहता है, जिसकी सांस्कृतिक सुगंध से पूरा देश सुवासित हो और भविष्य में 'कला संकुल' कला-संस्कृति के बड़े केंद्र के रूप में जाना जाएगा। लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहनराव भागवत है। समारोह में संस्कार भारती के संरक्षक पद्मश्री बाबा योगेंद्र, संस्कार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष वासुदेव कामत, राज्यसभा सदस्य पद्मविभूषण डॉ सोनल मानसिंह, लोकगायका पद्मविभूषण तीजनबाई, लेखक चिंतक पद्मश्री नरेंद्र कोहली, मणिपुरी नर्तक पद्मभूषण राजकुमार सिंहजीत सिंह एवं गायक पद्मभूषण पडित राजन मिश्र का विशेष सानिध्य रहेगा। कार्यक्रम के संयोजक अनुपम भटनागर, एवं सहसंयोजक भूपेंद्र कौशिक होंगे। भारती एक राष्ट्रवादी सांस्कृतिक संगठन है, जो भारत की परम्परागत शास्त्रीय, लोक और आधुनिक कलाओं के माध्यम से लोक जीवन में राष्ट्रीय मूल्यों के बीजारोपण के लिए प्रयत्नशील है। मूल्य आधारित कला मनोरंजन द्वारा व्यक्ति का विकास ही संस्कार भारती का लक्ष्य है। प्राचीन और आधुनिक के समन्वय और प्रतिभाशाली युवा कलाकर्मियों को नए प्रयोग की भूमि प्रदान करने में यह आगे हैं।

सार समाचार

इटली के स्वास्थ्य मंत्री को मिली जान से मारने की धमकी, चार लोगों को किया अरेस्ट

रोम। कोरोना वायरस के लॉकडाउन पर इटली के स्वास्थ्य मंत्री के कड़े रुख के खिलाफ उन्हें जान से मारने की धमकी वाले ईमेल भेजने के लिए चार इतालवी नागरिकों द्वारा कथित तौर पर इस्तेमाल कम्प्यूटरों और अन्य उपकरणों को पुलिस ने जब्त कर लिया है। कैराबीनीरी स्वास्थ्य पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि अक्टूबर से जनवरी के बीच विदेशी कम्प्यूटर सर्वरों से ईमेल भेजे गये थे और इनमें स्वास्थ्य मंत्री रोबर्टो स्पेरांजा तथा उनके परिवार के खिलाफ हिंसक धमकियां थीं जिनमें जान से मारने की भी धमकी थी। एक बयान के अनुसार चार इतालवी नागरिकों के खिलाफ धमकी भरे संदेश भेजने के मामले में जांच की गयी। ये चारों इटली के अलग अलग शहरों से हैं और इनकी उम्र 35 से 55 साल के बीच है।

ब्रिटेन ने पाकिस्तान समेत तीन देशों पर लगाया यात्रा बैन, जानें कारण

लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने कोरोना वायरस के नये स्वरूप के प्रकोप के बीच अपनी यात्रा प्रतिबंध की सूची में चार और देशों- बांग्लादेश, केन्या, पाकिस्तान और फिलीपीन को जोड़ा है। परिवहन विभाग ने कहा कि ब्रिटेन में ताजा पाबंदियां नौ अप्रैल से प्रभाव में आएंगी। यात्रा प्रतिबंधों की शर्तों के अनुसार, पिछले दस दिन में उक्त देशों से रवाना होने वाले या इन देशों की यात्रा करने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को इंग्लैंड में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। ब्रिटेन और आयरलैंड के नागरिक तथा ब्रिटेन में निवास का अधिकार रखने वाले लोग प्रवेश कर सकते हैं लेकिन उन्हें दस दिन तक सरकार द्वारा स्वीकृत होटल में खुद के खर्च पर पृथक-वास में रहना होगा। ब्रिटेन की यात्रा पाबंदी वाली सूची में अब कुल 39 देशों के नाम हैं। इनमें ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका भी शामिल हैं, जहां वायरस के दो नये स्वरूपों का पता चला है।

अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन ने फ्लाइट अटेंडेंट बनकर रिपोर्टरों को बनाया अप्रैल फूल

वाशिंगटन। अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडेन ने उनके साथ विमान से कैलिफोर्निया से वाशिंगटन लौट रहे संवाददाताओं को अनोखे अंदाज में अप्रैल फूल बनाया। भोजन सेवा के दौरान, फ्रजैस्मिनफ्र नाम की प्लेट लगाए हुए एक फ्लाइट अटेंडेंट ने सभी को डव आइसक्रीम बांटी। उसने काले रंग का मास्क और काले रंग का पैंट-सूट पहना हुआ था और उसके बाल छोटे थे। आइसक्रीम बांटकर जाने के बाद कुछ मिनट बाद फ्रजैस्मिनफ्र इस बार बिना विग के सबके सामने हंसते हुए और 'अप्रैल फूल्स' कहते हुए आईं तब सबको मालूम चला कि फ्लाइट अंटेडेंट के भेष में जिल बाइडन थीं। प्रथम महिला के सहयोगियों ने संवाददाताओं को बताया कि ''जैस्मिन'' की असली पहचान मालूम चलने के बाद वे भी उतने ही चकित थे। अपने 2019 के संस्मरण फ्रव्येहर द लाइट एंटर्स'' में बाइडन ने स्वीकार किया था कि उन्हें मजाक करना बहुत पसंद है। ओबामा प्रशासन के दौरान जब उनके पति उपराष्ट्रपति थे, तब वह एक बार 'एयर फोर्स टू' विमान के सामान रखने वाले हिस्से में छिपकर बैठ गईं थी जिससे वहां सामान रखने की कोशिश कर रहा व्यक्ति डर गया था। उन्होंने लिखा था, फ्रमैं हमेशा से मानती हूं कि खुश होने के पल जब भी मिलें उन्हें चुरा लेना चाहिए।

कोरोना वायरस संकट के बीच ईसाइयों ने मनाया गुड फ्राइडे, श्रद्धालुओं के लिए खुले धार्मिक स्थल

यरूशलम। इजराइल (होली लैंड) में ईसाई इस साल कोरोना वायरस संकट कम होने के संकेतों के बीच 'गुड फ्राइडे' मना रहे हैं जहां श्रद्धालुओं की सीमित संख्या के लिए धार्मिक स्थल के लिए खुले हैं लेकिन ईस्टर के साथ समाप्त होने वाले इस पाक

सप्ताह में बड़े पैमाने पर होने वाली तीर्थयात्राएं नहीं देखने को मिल रही हैं। पिछले साल, यरूशलम में सख्त लॉकडाउन लागू था। तब पादरियों के छोटे-छोटे समूह पवित्र धार्मिक संस्कार पूरे करते थे, वह भी अक्सर बंद दरवाजे के पीछे। यह पिछले वर्षों के मुकाबले बहुत असामान्य था जब लाखों की संख्या में श्रद्धालु शहर के पाक स्थलों पर जाया होते थे। इस साल, 'होली सेपलक्रे चर्च' आगंतुकों के लिए खोला गया है लेकिन बहुत कम लोगों को अंदर जाने की इजाजत है। यह वही स्थान है जहां इसाइयों का मानना है कि ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था और वह मृत्यु के बाद जीवित हो उठे थे। सुबह की प्रार्थना सभा के बाद वे डोलोरोसा के मार्फत प्रभु यीशू के अंतिम कदमों वाले मार्ग से गुजरेंगे। वेटिकन में, पाक सप्ताह के कार्यक्रमों का जश्न सीमित लोगों के साथ मनाया जाएगा जो मास्क पहनकर कोविड-19 के स्वास्थ्य एवं सामाजिक दूरी संबंधी नियमों का पालन करेंगे। होली लैंड में चर्च नेताओं की सलाहकार, वादी अबुनसर ने कहा, 'स्थान खुल रहे हैं, लेकिन सावधानी से और धीरे-धीरे।' उन्होंने कहा, 'आम सालों में हम लोगों से घर से बाहर आने को कहते थे। पिछले साल हमने उन्हें घर पर रहने को कहा...इस साल हम कुछ हद तक चुप ही हैं।' इजराइल ने विश्व के सबसे सफल टीका अभियानों में से एक की शुरुआत की है जिसके बाद वहां रेस्तरां, होटल और पवित्र स्थल फिर से खोले जा रहे हैं।

भारत से चीनी-कपास के आयात पर इमरान के यूटर्न पर बवाल, पाक कारोबारी बोले- बर्बाद हो जाएंगे

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

भारत से चीनी और कपास के आयात को मंजूरी देने के फैसले पर पाकिस्तान को यूटर्न लेना महंगा पड़ रहा है। भारत से चीनी और कपास के आयात पर फैसले को पलटने को लेकर पाकिस्तान मे दो फाड़ हो चुका है। इस यूटर्न पर न सिर्फ इमरान खान सरकार की आलोचना हो रही है, बल्कि टेक्स्टाइल सेक्टर इसका भारी विरोध कर रहा है। पाकिस्तान में टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने इमरान खान के इस फैसले को निराशाजनक बताया है और कहा कि इससे हमारा कारोबार पूरी तरह से बर्बाद हो जाएगा।

डॉन के मुताबिक, पाकिस्तान परिधान (कपड़े) मंच के अध्यक्ष जावेद बिलवानी ने गुरुवार को कहा कि संघीय कैबिनेट के फैसले ने कपड़ा निर्यात उद्योग को निराश किया है। उन्होंने वाणिज्य सलाहकार अब्दुल रजाक दाऊद की सिफारिश को भारत से सूती धागे के आयात को यथार्थवादी और समय की जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि भारत से कपास का आयात करना पाकिस्तान और टेक्सटाइल इंडस्ट्री के हित में था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सरकार को भारत से कपास के आयात के मसले पर फिर से गंभीर विचार करना चाहिए।

बता दें कि गुरुवार को पीएम इमरान खान के नेतृत्व में हुई कैबिनेट मीटिंग में सरकारी पैनल के फैसले को पलटने पर मुहर लगी। इससे पहले पाकिस्तान की इकॉनमिक कॉर्डिनेशन कमिटी ने भारत से चीनी और कपास के आयात को मंजूरी दी थी। दरअसल पाकिस्तान में इन उत्पादों की महंगाई काफी बढ़ गई है। ऐसे में महंगाई से निपटने के लिए भारत से आयात फिर शुरू करने का फैसला लिया गया था। लेकिन इस पर भी राजनीति शुरू हो गई और दबाव में इमरान खान सरकार ने फैसले को पलट दिया।

जावेद बिलवानी ने कहा कि पाकस्तान सरकार द्वारा इकॉनमिक कॉर्डिनेशन कमिटी यानी ईसीसी के प्रस्ताव को अस्वीकार करने से विदेशी खरीदारों के बीच नकारात्मक संदेश जाएगा और इस वक्त पाकिस्तान में सूती धागा उपलब्ध नहीं है। दरअसल, बड़े नुकसान से बचने के लिए पाकिस्तान का टेक्सटाइल एक्सपोर्ट सेक्टर लगातार भारत समेत पूरी दुनिया से ड्यूटी फ्री सूती धागे के आयात की मांग कर रहा है। भारत से कपास खरीदना अन्य देशों के मुकाबले पाकिस्तान को सस्ता पड़ेगा। यही वजह है कि टेक्सटाइल सेक्टर इमरान खान के इस फैसले का विरोध कर रहा है।

बिलवानी ने दावा किया कि कैबिनेट के फैसले के बाद पाकिस्तान में सूती धागे की कीमत काफी बढ़ गई है। अगर सरकार भारत से कपास आयात करने की अनुमति नहीं देना चाहती तो सरकार को देश में सूती धागे की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने आशंका जताई कि पड़ोसी देश से सूती धागे के आयात की अनुमति नहीं मिलने पर पाकिस्तान का टेक्सटाइल एक्सपोर्ट बुरी तरह से प्रभावित होगा और निर्यात घट जाएगा। बिलवानी ने कहा कि अगर सरकार भारत से सूती धागे के आयात की अनुमति नहीं देना चाहती है तो उसे कम से कम अगले छह महीने के लिए कपास और सूती धागे के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना चाहिए।

अगर आंकड़ों पर गौर करें तो पाकिस्तान में टेक्सटाइल इंडस्ट्री काफी बुरे दौर से गुजर रही है। भारत से कपास खरीद का सौदा कैसे फायदेमंद

होता, इसके लिए बिलवानी ने समझाया भी है। बिलवानी के मुताबिक, कोरोना वायरस महामारी के कारण समुद्र के रास्ते भाड़े में पहले ही 700 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है और माल अब 25 दिनों के बजाय 105 दिनों में अपने विदेशी गंतव्य पर पहुंच रहा है।

पाकिस्तान की ओर से फैसले को पलटने को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ कहा नहीं गया है। यदि इकॉनमिक कॉर्डिनेशन कमिटी का फैसला लागू होता तो दो साल बाद भारत और पाकिस्तान के बीच कारोबार की शुरुआत होती। दरअसल अगस्त 2019 में भारत की ओर से जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद पाकिस्तान ने भारत से कारोबार बंद करने का फैसला लिया था। बुधवार को ही पाकिस्तान के नए वित्त मंत्री हम्माद अजहर ने भारत के साथ कारोबार शुरू करने का ऐलान किया था। उन्होंने भारत से कपास और चीनी के आयात की बात कही थी। यही नहीं भारत से कारोबार शुरू करने के सवाल पर उन्होंने अपने फैसले का बचाव भी किया था।

शव दफनाने को कम पड़ी जगह तो ब्राजील में खोद कर निकाले गए 1,000 कंकाल, कोरोना बना काल

साउ पालो। (एजेंसी)।

दुनियाभर में 28 लाख से अधिक लोगों की जान ले चुका कोरोना वायरस ब्राजील में भी कहर बरपा रहा है। हालात यह है कि कब्रिस्तानों में शव दफनाने के लिए जगह कम पड़ गई है। अब पुराने कब्रों से कंकाल निकालकर जगह बनाई जा रही है। एक कब्रिस्तान में हजार कब्रों से कंकालों को निकाला गया है।

दक्षिण अमेरिकी देश में कारोना मृत्यु दर काफी अधिक है और अब तक यहां 3 लाख 25 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। दुनिया के सबसे सघन आबादी वाले शहरों में शामिल साओ पालो के नए काशोइरिन्हा सीमेट्री की तस्वीरें भावुक करने वाली हैं, जहां कर्मचारी पुराने कंकालों को हटाकर नए शवों के लिए जगह बना रहे हैं।

सालों पहले दफनाए गए कब्रों के ऊपरी हिस्से को हटाकर कंकालों को निकाला जा रहा है और उन्हें किसी दूसरे स्थानों पर गलाने के लिए पैक कर लिया जाता है। इसी सहर में स्थित ब्राजील के सबसे बड़े कब्रिस्तान विला फोरमोसा सीमेट्री में कर्मचारी मास्क और पीपीई किट पहनकर रात-रातभर कब्रों को खोद रहे हैं।

ब्राजील के सबसे बड़े शहर में गुरुवार को पुराने कब्रों को खाली करने की मुहिम को तेज कर दिया गया है, क्योंकि कोरोना से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। साउ पालो के कब्रिस्तानों में हर दिन रिकॉर्ड संख्या में शव आ रहे हैं। केवल मार्च महीने में ही ब्राजील में 66 हजार लोगों की मौत हुई है।

बुधवार को ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोरोना से मरने वालों की संख्या लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड संख्या में दर्ज की गई है। बुधवार को 3,869 लोगों की मौत हुई तो एक दिन पहले इस वायरस ने यहां 3,780 लोगों की जान ली थी। पिछले शुक्रवार को 3,650 लोगों ने जान गंवाई थी।

अमेरिका के बाद कोरोना ने सबसे अधिक ब्राजील में ही कहर बरपाया है। पिछले एक सप्ताह से यहां प्रतिदिन औसतन 75,500 केस आ रहे हैं तो 3 हजार लोगों की मौत हो रही है।

तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच म्यांमार में वायरलैस इंटरनेट सेवा बंद

यंगून। (एजेंसी)।

म्यांमार में सेना के आदेश पर वायरलैस ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं शुक्रवार को बंद कर दी गईं। एक स्थानीय सेवा प्रदाता ने यह जानकारी दी। सत्ता के जुंटा के हाथों में चले जाने के खिलाफ प्रदर्शनकारियों का विरोध लगातार जारी है। स्थानीय सेवा प्रदाता ओरेडू की ओर से ऑनलाइन पोस्ट किए गए बयान के मुताबिक परिवहन एवं संचार मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी निर्देश में ''अगले नोटिस तक सभी वायरलैस ब्रॉडबैंड डेटा सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद रखने को कहा गया है।÷ फाइबर आधारित लैंडलाइन इंटरनेट कनेक्शन अब भी काम कर रहे हैं लेकिन बेहद धीमी गति से। शुक्रवार को ही, न्यूयॉर्क स्थित मानवाधिकार निगरानी संस्था ने एक रिपोर्ट जारी कर कहा कि म्यांमा की सेना ने नेताओं, चुनाव अधिकारियों, पत्रकारों, कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों समेत सैकड़ों लोगों को जबरन गायब कर दिया है और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए वे किन स्थानों पर है या वकीलों तथा उनके परिवार के सदस्यों को उन तक जाने देने से इनकार कर दिया है।

ह्यूमन राइट्स वॉच के एशिया निदेशक ब्रैड एडम्स ने कहा, ''सैन्य जुंटा की तरफ से मनमानी गिरफ्तारी और जबरन लोगों को गायब करने का व्यापक प्रयोग तख्तापलट विरोधी प्रदर्शनकारियों के मन में डर पैदा करने वाले मालूम होते हैं।÷ उन्होंने कहा, ÷संबंधित सरकारों को प्रत्येक लापता व्यक्ति की रिहाई की मांग करनी चाहिए और इस अत्याचारी सेना को अंततः जिम्मेदार ठहराने के लिए जुंटा नेताओं के खिलाफ लक्षित आर्थिक प्रतिबंध लगाने चाहिए।÷ दक्षिणपूर्वी एशियाई राष्ट्र में संकट पिछले हफ्ते तेजी से बढ़ गया, प्रदर्शनकारियों के मारे जाने के लिहाज से और कारेन नस्ली अल्पसंख्यकों के गुरिल्ला बलों के खिलाफ सैन्य हवाई हमलों की संख्या की नजर से भी।

समुदायिक नेताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति बाइडेन ने किया होली का जिक्र

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ईस्टर समारोह से पहले देश भर के धार्मिक एवं सामुदायिक नेताओं को ऑनलाइन संबोधित करने के दौरान रंगोत्सव का ज़िक्र किया। बाइडन ने कहा कि वह और प्रथम महिला जिल बाइडन ईस्टर उत्सव के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा, 'क्योंकि हमें टीका लगवाने का सम्मान प्राप्त हुआ है इसलिए हम ईस्टर अपने परिवार के कुछ सदस्यों के साथ मना सकते हैं।' बाइडन ने कहा, 'और-लेकिन पासओवर (यहूदियों का त्योहार) पिछले सप्ताह शुरू हुआ। हिंदुओं का होली त्योहार पिछले हफ्ते था। रमजान भी करीब है।' पिछले हफ्ते, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने होली के अवसर पर बधाई भेजी थी। यह पहली बार हुआ है जब किसी अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने होली की शुभकामनाएं दी हों। बाइडन ने कहा कि यह सिर्फ श्रद्धा एवं उत्सव का समय नहीं है बल्कि अपने धार्मिक समाज एवं समुदाय से जुड़ने के लिए साल के सबसे महत्त्वपूर्ण अवसरों में से एक है। बाइडन ने धार्मिक एवं सामुदायिक नेताओं से कोविड के टीकों को सुरक्षित बताने की अपील की है।

तानाशाह किम जोंग के देश में हो रही दवाइयों और जरूरी सामानों की किल्लत, प्योंगयांग में 290 से कम विदेशी नागरिक बचे

मॉस्को। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया में रूस के दूतवास ने कहा है कि कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर देश दवाइयों और जरूरी वस्तुओं की घोर कमी का सामना कर रहा है। उत्तर कोरिया ने दावा किया है कि उसके यहां संक्रमण के मामले नहीं हैं और उसने संक्रमण से बचाव के प्रयासों के तहत अपनी सीमाओं को बंद किया हुआ है। राजनयिक और विदेशी नागरिक लगातार देश छोड़ कर जा रहे हैं। मार्च के महीने में संयुक्त राष्ट्र के दो कर्मचारियों ने कथित तौर पर देश छोड़ दिया था। दोनों विश्व खाद्य कार्यक्रम के लिए काम करते थे। रूसी दूतावास ने बृहस्पतिवार को फेसबुक में कहा कि 18 मार्च को उत्तर कोरिया छोड़ने वाले 38 विदेशी नागरिकों ने चीन से लगते सीमाई शहर डानडोंग में दो सप्ताह का पृथक-वास पूरा किया, साथ ही कहा कि विदेशियों को ''निकाला'' जाना जारी रहेगा। दूतावास ने कहा, ''कोरियाई राजधानी से जाने वालों के बारे में समझा जा सकता है। हर कोई पाबंदियों को नहीं सह सकता, जो अप्रत्याशित तौर पर बहुत कठोर हैं। दवाइयों सहित जरूरी सामानों की घोर कमी है और स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने में भी दिक्कतें आ रही हैं।'' दूतावास ने साथ ही कहा कि प्योंगयांग में 290 से कम विदेशी नागरिक बचें हैं।

जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा 16 अप्रैल को जो बाइडेन से वार्ता करेंगे

तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से वार्ता करने के लिए 16 अप्रैल को वाशिंगटन की यात्रा पर जायेंगे। सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उनकी यात्रा की पूर्व में भी घोषणा की गई थी, लेकिन तारीख की जानकारी नहीं दी गई थी। मुख्य कैबिनेट सचिव कट्सुनोबु काटो ने संवाददाताओं से कहा कि सुगा पहले ऐसे विदेशी नेता होंगे जो जनवरी में पद ग्रहण करने के बाद बाइडन से मिलेंगे। उन्होंने कहा, ''यह अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि अमेरिका जापान के लिए महत्व रखता है।'' उन्होंने कहा, ''यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि हम जापान-अमेरिका गठबंधन की ताकत और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाना चाहते हैं।'' जापान, अमेरिका के नये प्रशासन के साथ करीबी संबंध बनाने को उत्सुक है और वह अप्रैल में सुगा की अमेरिकी यात्रा की उम्मीद कर रहा था। काटो ने कहा, ''सुगा की यात्रा के लिए 16 अप्रैल की तारीख निर्धारित की गई है, क्योंकि हमारा उद्देश्य प्रधानमंत्री की अमेरिकी यात्रा की सफलता और इसके लिए तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव उपाय करना है।'' उन्होंने कहा, ''हम जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच समन्वय और सहयोग को और मजबूत करेंगे।''

ईरान, वैश्विक ताकतें परमाणु समझौते में अमेरिका की वापसी का स्वागत करने को तैयार

ब्रसेल्स। ईरान और वैश्विक ताकतों ने शुक्रवार को कहा कि परमाणु समझौते में अमेरिका के लौटने का वे स्वागत करने को तैयार हैं। डिजिटल तरीके से आयोजित बैठक के बाद जारी एक बयान के मुताबिक, यूरोपीय संघ, चीन, फ्रांस, जर्मनी, रूस, ब्रिटेन और ईरान वाले समूह के अध्यक्ष ने कहा है कि भागीदार परमाणु समझौता को बरकरार रखने को लेकर प्रतिबद्ध हैं और इसके पूर्ण तथा प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की गई। समूह ने कहा कि वे पाबंदी हटाए जाने को चिह्नित करने और परमाणु क्रियान्वयन कदमों को लेकर 2015 के समझौते पर वियना में अगले सप्ताह आगे की वार्ता करेंगे। बयान में कहा गया कि समूह के समन्वयक परमाणु समझौता के सभी भागीदारों और अमेरिका के साथ वियना में अलग से संपर्क के लिए प्रयास तेज करेंगे।

तेहरान में सरकारी टेलीविजन ने ईरान के परमाणु वार्ताकार अब्बास अरघची के हवाले से बताया कि शुक्रवार को डिजिटल बैठक में उन्होंने कहा कि परमाणु समझौते में अमेरिका के लौटने के लिए किसी वार्ता की जरूरत नहीं है और रास्ता बिल्कुल साफ है। अरघची ने कहा, ''अमेरिका समझौते में लौट सकता है और जिस तरह वह समझौते से बाहर हुआ तथाईरान पर अवैध पाबंदियां लगायी गयीं उसे वह खत्म कर सकता है।'' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान अमेरिका 2018 में समझौते से बाहर हो गया था लेकिन जो बाइडन जब राष्ट्रपति बने तो उन्होंने समझौते में फिर से शामिल होने की सहमति जतायी। हालांकि इसमें कई जटिलताएं आ चुकी हैं और ईरान लगातार समझौते की शर्तों का उल्लंघन कर रहा है।

पाकिस्तान को अमेरिका ने दिया डबल झटका, पहले इमरान को ना, अब यात्रा से भी परहेज, भारत आ रहे जॉन कैरी

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के जो बाइडेन प्रशासन ने इमरान खान को जलवायु परिवर्तन पर शिखर सम्?मेलन में न्योता न देकर पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन से जुड़े मामलों पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के विशेष दूत जॉन कैरी जलवायु संकट पर चर्चा करने के लिए एक से नौ अप्रैल के बीच भारत, बांग्लादेश और यूएई की यात्रा पर जाएंगे। मगर इस दौरान वह इस संकट से सबसे अधिक जूझ रहे पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 22-23 अप्रैल के बीच जलवायु परिवर्तन पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन बाइडन द्वारा आयोजित 'नेताओं के शिखर सम्मेलन और इस वर्ष के अंत में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) से पहले कैरी इस मुद्दे पर विचार विमर्श के लिए इन देशों की यात्रा करेंगे। जॉन कैरी ने ट्वीट किया, 'जलवायु संकट से निपटने के लिए अमीरात, भारत और बांग्लादेश में दोस्तों के साथ सार्थक चर्चा को लेकर उत्साहित हूं।' अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत विश्व के 40 नेताओं को जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर वार्ता के मकसद से आयोजित होने वाले नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। इस शिखर सम्मेलन का मकसद जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने के आर्थिक लाभ एवं महत्व को रेखांकित करना है। हालांकि, इस शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को न्योता नहीं मिला है। अमेरिका का यह फैसला किसी दोहरे झटके से कम नहीं है। पहले जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर वार्ता के मकसद से आयोजित होने वाले नेताओं के शिखर सम्मेलन इमरान खान को न्योता नहीं दिया गया और उसके बाद जब राष्ट्रपति जो बाइडन के विशेष दूत जॉन कैरी जलवायु संकट पर चर्चा करने के लिए एशियाई दौरे पर आ रहे हैं तो उन्होंने पाकिस्तान में जाने से इनकार कर दिया है। इससे पाकिस्तानी खफा दिख रहे हैं। पाकिस्तानी यह मान रहे हैं कि यह उनके देश के लिए किसी झटके से कम नहीं है। कुछ का मानना है कि पाकिस्तान क वैश्विक धमक कम होने की वजह से ऐसा हुआ है। व्हाइट हाउस ने पिछले सप्ताह कहा था, 'यह ग्लासगो में इस साल नवंबर में होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) के मार्ग में एक मील का पत्थर साबित होगा।' व्हाइट हाउस के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी के अलावा चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा, ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, सऊदी अरब के शाह सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन समेत 40 नेताओं को शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसका सीधा प्रसारण किया जाएगा। इन नेताओं के अलावा दक्षिण एशिया से बंग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और भूटान के प्रधानमंत्री लोते शेरिंग को भी सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन और सीओपी26 का मुख्य लक्ष्य वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने के प्रयासों को गति देना है।

संपादकीय

बचत का बचाव

केंद्र सरकार ने छोटी बचतों पर ब्याज दर घटाने के अपने फैसले को वापस लेकर सुखद कार्य किया है। बुधवार को अचानक ब्याज दरों में कटौती का फैसला करने के बाद सरकार आलोचकों के निशाने पर आ गई थी, लेकिन गुरुवार होते ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बता दिया कि सभी छोटी बचतों पर पुरानी यानी 2020-21 की दरें ही लागू रहेंगी। सरकार ने बचत खातों, पीपीएफ, टर्म डिपॉजिट, आरडी और बुजुर्गों से जुड़ी बचत योजनाओं तक पर ब्याज दरों में कटौती कर दी थी। नई दरें पहली अप्रैल से लागू हो जातीं और 30 जून, 2021 तक प्रभावी रहतीं। ऐसा लगता है, सरकार ब्याज दरों को कुछ समय के लिए कम करके समग्र प्रभाव देखना चाहती थी, लेकिन जिस तरह से लोगों ने विरोध किया, उससे सरकार को समय रहते लग गया कि ब्याज दर घटने से उसकी लोकप्रियता काफी प्रभावित होगी। बचत पर ब्याज भारत में एक संवेदनशील मामला है। लोग बहुत उम्मीद से बचत करते हैं, क्योंकि उन्हें पता होता है, मुसीबत में उनके साथ जल्दी कोई खड़ा नहीं होगा या मुसीबत के समय किसी के सामने हाथ फैलाना पड़ेगा। ऐसे में, थोड़े अच्छे दिनों में की गई बचत बुरे दिनों के कहर से बचाने में मददगार साबित होती है। वाकई, यह दौर ऐसा नहीं है, जब बचत को अनाकर्षक बनाया जाए। महामारी का असर जारी है, आर्थिक क्षति की पूर्ति अभी नहीं हुई है। हमें अच्छे से पता है, लोगों की बचत घटी है और बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो अगली किसी बड़ी मुसीबत को झेलने की स्थिति में नहीं हैं। बचत के अनाकर्षक होने पर सेवाभावी लोगों और संस्थाओं पर भी असर पड़ता है। ज्यादातर बुजुर्गों को, जिनकी कोई अन्य कमाई नहीं होती और जो अपनी बचत पर मिलने वाले ब्याज से ही सारी उम्मीदें लगाए होते हैं, ब्याज दर घटने से तगड़ा झटका लगता। हालांकि, लोगों के मन में एक आशंका तो अब पैदा हो ही चुकी है कि देर-सबेर सरकार अपनी कमाई बढ़ाने के लिए ब्याज दरों में कटौती करेगी। महामारी के भयानक असर के कारण सरकार की कमाई घट रही है, उसे कहीं से पैसा कमाना या बचाना है। चूंकि पेट्रोल, डीजल की कीमतों में वृद्धि की तरह ब्याज दर में कटौती भी सरकार के लिए राजस्व जुटाने का एक आसान रास्ता है, इसलिए अनेक अर्थशास्त्री सरकार को ब्याज दरें घटाने की सलाह देंगे। फैसला वापस लेने के बावजूद अर्थव्यवस्था के कर्ताधर्ताओं को ध्यान में रखना चाहिए कि वर्ष 2008 की मंदी के समय छोटी बचतों ने ही इस देश को आर्थिक तबाही से बचाया था। ऐसे में, यह चिंता की बात है कि बचत योजनाओं के प्रति लोगों के लगाव में कमी आ रही है। नोटबंदी के बाद लोगों ने बैंकों में पैसे रखने को तरजीह दी है, लेकिन आर्थिक कमजोरी की वजह से बचतों का आंकड़ा यथोचित बढ़ नहीं रहा है। यह तथ्य है, देश में वित्त वर्ष 2007-08 में सकल घरेलू बचत दर 36.8 प्रतिशत थी, वह लगातार घटती हुई वित्त वर्ष 2017-18 में 29.8 प्रतिशत रह गई थी। महामारी ने बचत के इन आंकड़ों को और कम किया होगा। ऐसे में, ब्याज दरों में कमी समाज के एक बड़े वर्ग की सामाजिक सुरक्षा को तोड़ देगी। बुजुर्गों या जरूरतमंदों को सीधे नकदी देने से ज्यादा जरूरी है कि समाज में बचत का आकर्षण कायम रखा जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग आत्मनिर्भर बनें।

आज के ट्वीट

कीमती

इस दुनिया में सब कुछ कीमती है...
एक पाने से पहले और दूसरा खोने के बाद.

-- मनु भाकर

राजनीति से अहद-ए-वफा चाहते हो!

राजकुमार सिंह

भारतीय राजनीति में चुनाव का मौसम बड़ा विचित्र होता है—भले ही उस समय असल में कोई भी मौसम क्यों न चल रहा हो। ऐन चुनाव से पहले राजनेताओं में अपनी निष्ठा बदलने का खेल शुरू होता है तो राजनीतिक दलों में चुनावी वायदों के जरिये स्वर्ग को ही धरती पर उतार लाने की होड़ मचती है। यह खेल हर चुनाव से पहले खेला जाता है, फिर भी मतदाता खुद को भरमाने से नहीं बचा पाते। नहीं पूछ पाते के फलां दल में अचानक ही घुटन क्यों महसूस होने लगी? या फलां दल अचानक ही क्यों भाने लगा? जाहिर है, चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश पुड्डुचेरी में वर्तमान चुनाव भी इसके अपवाद नहीं हैं। आज जो शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में जंगल राज का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम में चुनौती दे रहे हैं, वह कल तक उन्हीं के विश्वासपात्र हुआ करते थे। पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव इस बार जिस युद्धस्तर पर लड़ा जा रहा है, उसमें युद्ध से ऐन पहले पाला बदलने वाले शुभेंदु पहले राजनेता नहीं हैं। ऐसे पालाबदलुओं की फेहरिस्त बहुत लंबी बन सकती है, जो कल तक किसी और दल व नेता के प्रति निष्ठा की कसमें खाते थे, पर अब किसी दूसरे दल-नेता के सगे बनने का दम भर रहे हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक सवाल अनुत्तरित ही है कि जो उनके सगे नहीं हुए, वे इनके सगे कैसे होंगे? यह भी कि वफा जिनकी फितरत में ही नहीं है, उनके वायदे वफा होने की उम्मीद क्या महज मृगतृष्णा ही नहीं है? दरअसल सत्ता राजनीति के बाजार में निष्ठाएं अक्सर डांवांडोल नजर आती हैं। अपवाद हो सकते हैं, लेकिन अतीत में जैसे-जैसे निष्ठावानों ने राजनीतिक निष्ठाएं बदली हैं, उसके मद्देनजर यह टिप्पणी कठोर तो हो सकती है, पर अतिरंजित नहीं कि हर कोई बिकाऊ है, बस खरीदार चाहिए। आपको महाराष्ट्र की राजनीति का वह महानाटक याद है, जब सूर्योदय से पहले ही आनन-फानन में वहां एक सरकार को राज्यपाल ने शपथ दिलवा दी थी। वह सरकार भी ऐसे ही अप्रत्याशित पाला बदल से बनी थी। पॉवर के बड़े प्लेयर कहे जाने वाले शरद पवार के अपने भतीजे अजित पवार ने रात के अंधेरे में भाजपा से सत्ता की सौदेबाजी कर राकांपा तोड़ने की साजिश रची थी। यह अलग बात है कि उस सरकार की वैसी ही बेआबरू विदाई हुई, जैसी होनी चाहिए थी। आश्चर्यजनक यह भी रहा कि अजित पवार फिर अपनी निष्ठा बदल कर राकांपा में लौट आये और शिवसेना-कांग्रेस के साथ मिल कर बनी नयी सरकार में भी बिना शर्मिंदगी के उपमुख्यमंत्री बन गये। वैसे भारतीय राजनीति का अब शर्म से कोई रिश्ता रह नहीं गया है। पिछले साल की ही बात है। जब कोरोना की दहशत अपना शिकंजा फैला रही थी। आम आदमी अपने जानोमाल की जद्दोजहद में फंसा था, पर मध्य प्रदेश में सत्ता का नाटक चल रहा था। ध्यान रहे कि माधव राव सिंधिया ने जनसंघ से शुरुआत की, पर कांग्रेस के साथ लंबी राजनीतिक पारी खेली। नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्वकाल में जब मुश्किलें पेश आयीं तो वह अपनी अलग मध्य प्रदेश विकास कांग्रेस बना कर भी चुनाव लड़े, पर नेहरू-गांधी परिवार से उनका संबंध बना रहा और अंततः कांग्रेस में लौट भी आये। उनके आकस्मिक निधन के बाद उनके पुत्र ज्योतिरादित्य भी राहुल गांधी की टीम के खास सदस्य बने रहे, लेकिन 2018 के अंत में विधानसभा चुनाव में बहुमत मिलने पर भी जब दिग्विजय सिंह से सांठगांठ कर कमलनाथ मुख्यमंत्री पद पर बाजी मार ले गये तो लगभग डेढ़ साल इंतजार करने के बाद सिंधिया ने कमल थाम लिया, जिसकी परिणति मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार के पतन और शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा सरकार के गठन के रूप में हुई। पुराने भाजपाइयों की कीमत पर सिंधिया समर्थकों को शिवराज सरकार में हिस्सेदारी मिल चुकी है। खुद ज्योतिरादित्य के नरेंद्र मोदी सरकार में प्रवेश का इंतजार है। पिछले साल ही राजस्थान में भी मध्य प्रदेश प्रकरण की पुनरावृत्ति के आसार नजर आये थे, पर अंतिम क्षणों में कांग्रेस आलाकमान सचिन पायलट को मनाने में सफल हो गया और अशोक गहलोत सरकार बच गयी। ऐसा नहीं है कि राजनीति में नैतिक पतन का यह रुझान नया है। पिछली शताब्दी के अंतिम दशक का एक घटनाक्रम तो अपनी तरह का अनूठा है। केंद्र में तब कांग्रेस समर्थित संयुक्त मोर्चा सरकार थी। इंद्रकुमार गुजराल प्रधानमंत्री थे। उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार थी। रोमेश भंडारी राज्यपाल थे, जिन्होंने 1998 में कल्याण सिंह सरकार को बर्खास्त कर जगदंबिका पाल के नेतृत्व में वैकल्पिक सरकार को शपथ दिलवा दी थी। लोकतंत्र के ऐसे सार्वजनिक शर्मनाक चीरहरण की अंतिम परिणति वही होनी थी, जो हुई, पर उसके लिए सर्वाच्च अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा। सर्वोच्च अदालत के निर्देश पर हुए बहुमत परीक्षण में कल्याण सिंह स्वाभाविक ही भारी पड़े और जगदंबिका पाल 24 घंटे के मुख्यमंत्री के रूप में इतिहास में दर्ज हो गये। जाहिर है, रोमेश भंडारी खलनायक माने गये, लेकिन पुराने कांग्रेसी जगदंबिका पाल बदलती राजनीतिक हवा का रुख भांप कर न सिर्फ भाजपाई हो गये, बल्कि संसद में उसके गुणगान में अच्छों-अच्छों को पीछे छोड़ने लगे। अगर अपनी चाल, चेहरे, चरित्र से अलग तरह की साफ-सुथरी राजनीतिक संस्कृति विकसित करने का दम भरने वाली भाजपा का यह हाल है तो सिर्फ, और सिर्फ सत्ता के लिए बनने वाले दलों के दलदल से तो उम्मीद ही क्या की जा सकती है? ऐसी मिसालें कम नहीं हैं, जब हमारे राजनेताओं के रातोंरात हुए हृदय परिवर्तन ने सरकार गिरायी और बनायी हैं। आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि यह हृदय परिवर्तन अक्सर सत्ता परिवर्तन के लिए ही होता है। यह भी कि इस सत्ता परिवर्तन का सर्वाधिक लाभ भी हृदय परिवर्तन वाले राजनेताओं को ही होता है। शायद यह कहना ज्यादा सही होगा कि यह हृदय परिवर्तन होता ही सत्ता परिवर्तन और उसके जरिये अधिकाधिक लाभ अर्जित करने के लिए है। जाहिर है, यह लाभ कई तरह का हो सकता है। प्रत्यक्ष लाभ दिखायी देता है, अप्रत्यक्ष लाभ के किस्से-कहानियां सुनायी पड़ती हैं। इसलिए हर तरह के लाभ को इंगित करने के लिए राजनीतिक पाला बदल के लिए अब हॉर्स ट्रेडिंग यानी घोड़ा-व्यापार का मुहावरा चल पड़ा है। मुहावरे के रूप में ही बात करें तो हमारे राजनीतिक दल क्या हुए और उनकी राजनीति को क्या कहा जाये? आयाराम-गयाराम का मुहावरा हरियाणा के एक विधायक के कई बार पाला बदल से शुरू हुआ था, पर अब तो ऐसा राज्य ढूंढ़ पाना भी मुश्किल होगा, जहां एक आयाराम-गयाराम ढूंढ़ने पर अनेक न मिल जायें। राजनीति और चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2016 से 2020 के बीच हुए चुनावों में लड़ने वाले 405 में से 182 विधायक दल बदल कर भाजपा में शामिल हुए जबकि 38 विधायक कांग्रेस में और 25 विधायक टीआरएस में शामिल हुए। जिन नेताओं और दलों की निष्ठा और वफादारी का यह आलम है, उनके चुनावी वायदों के वफा होने की उम्मीद करने वालों के लिए मुझे वर्ष 1959 की हिंदी फिल्म 'धूल का फूल' का लोकप्रिय गीत याद आ रहा है—हसीनों से अहद-ए-वफा चाहते हो, बड़े नासमझ हो यह क्या चाहते हो...। शब्दों के बजाय भाव को समझने की कोशिश करेंगे तो चुनावी राजनीति को भी समझने में मदद मिल पायेगी।

ज्ञान गंगा

जीवन-मृत्यु

जग्गी वासुदेव

दुर्भाग्यवश, बहुत सारे लोग केवल तभी जीवंत होते हैं, जब मृत्यु उनके सामने खड़ी होती है - चाहे युद्ध में या कार दुर्घटना में। जब मरने की संभावना से आप आमने-सामने होते हैं, तभी आप पूरी तरह से जीवंत होते हैं। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है! जब आप सही ढंग से, वास्तव में अपने मरणशील होने का सामना करते हैं, तभी ये समझते हैं कि आपका जीवित होना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैं जब लोगों को देखता हूं, तो ऐसा लगता है जैसे वे कब्र के अंदर जाने का अभ्यास कर रहे हैं, जब वे अपनी कब्र में होंगे तब उन्हें कैसा होना चाहिए, उनके चेहरे के भाव कैसे होने चाहिए? वे यह बात नहीं समझते कि मरना तो उन्हें है ही। उन्हें लगता है कि वे हमेशा यहां रहेंगे। जब वे जीवित हैं, तो हमेशा मृत्यु का अभ्यास करते रहते हैं। पर जब आप उन्हें मृत्यु का खतरा दिखाएंगे, तो वे जीवंत हो उठेंगे। आप को क्या लगता है, कृष्ण ने अपना उपदेश युद्ध के मैदान में क्यों दिया? किसी आश्रम के शांतिपूर्ण माहौल में नहीं, भारत के सुंदर जंगलों में नहीं, न ही हिमालय की किसी गुफा में, पर एक खतरनाक युद्ध के मैदान में; क्योंकि मारे जाने का खतरा दिखे बिना ज्यादातर मनुष्यों में अपने जीवन की ओर देखने की बुद्धि ही नहीं होती। मुझे लगता है कि जब बिना ड्राइवर के अपने आप चलने वाली कारें आ जाएंगी, तब बहुत सारे लोगों को आत्मज्ञान हो जाएगा। कुछ समय बाद शायद आप सीख जाएंगे कि इस बात को कैसे अनदेखा करें - वो बात अलग है - पर शुरुआत में आप नहीं जानते कि ये रुकेगी या नहीं। आप को नहीं मालूम कि ये ठीक समय पर रुकेगी या कहीं जा कर भिड़ जाएगी। जब ये अपने आप चलने वाली कारें उपयोग में आ जाएंगी, तब उसके कुछ ही महीनों में इस धरती पर कुछ लोगों को तो आत्मज्ञान हो ही जाएगा। तो हमें कुछ आत्मज्ञानियों के लिए तैयार रहना चाहिए। किसी कार दुर्घटना की राह मत देखिए। आपको यह जानना ही चाहिए कि आप इसी समय गिर कर मर सकते हैं। मैं आपके लिए ऐसा नहीं चाहता और आपको लंबे जीवन का आशीर्वाद भी देता हूं, पर ये संभव है। हर रोज कई सारे लोग इस तरह से मर जाते हैं। बैठे-बैठे, खड़े-खड़े, लेटे हुए - वे हर तरह की मुद्रा में मरते हैं। जब आपको समझ आती है कि आप मर सकते हैं, तो अचानक ही आपको जीवन का मूल्य समझ में आता है, आप उसके प्रति जीवंत हो उठते हैं।

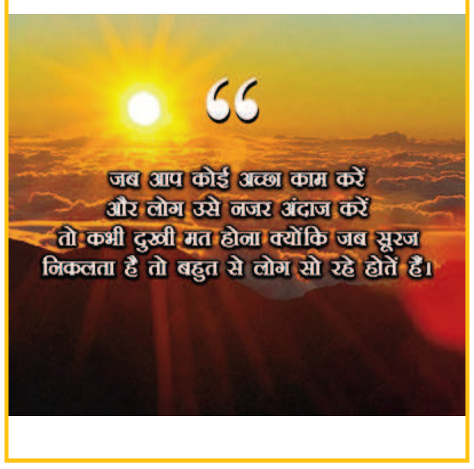

अमीरी के लिए खतरा गरीबी का संकट

हर्षदेव

गरीबी-अमीरी का बढ़ता फासला न केवल दुनिया के अर्थशास्त्रियों, बल्कि समाजशास्त्रियों को भी चिंतित करने लगा है। यह समस्या कोविड-19 महामारी के चलते और भी विकराल हुई है। इसी कारण यह अब एक बड़ी चुनौती के रूप में ली जा रही है। अर्थनीति निर्धारकों की चेतावनी है कि यदि इसका शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो सामाजिक व्यवस्था के छिन्न-भिन्न होने का खतरा ज्यादा दूर नहीं है। दुनिया का धनिक वर्ग इस सच्चाई से भयभीत है कि युवा पीढ़ी में बढ़ती बेरोजगारी, जीवन-यापन के लिए जूझती आबादी में लगातार पनपता रोष कभी भी अराजकता की शक्ल अख्तियार कर सकता है। आज केवल 10 अमीरों के पास जितनी पूंजी जमा हो गई है, वह 350 करोड़ लोगों या दुनिया की आधी आबादी की कुल सम्पदा से भी ज्यादा है। भारत में पिछले एक दशक में खरबपतियों की तादाद दस गुणा बढ़ गई है। दुनिया के एक-तिहाई अमीर उसी देश में हैं, जहां लगभग 50 करोड़ आबादी दीन-हीन हालात में, पेट भरने की मुश्किलों से रोज जूझती है। इस वक्त भारत में 111 खरबपति और चार लाख से ज्यादा अरबपति हैं। विश्व के खरबपतियों-रे डेलियो, वारेन बफे, क्लॉस श्वाब या मार्क क्यूबन को गरीबों का परोपकार करने की नहीं सूझी है। उनको इतिहास ने सिखाया है कि ये हालात असंतोष को आक्रोश में बदल सकते हैं और इसी कारण उनको ऐसी चिंता करनी पड़ रही है। प्राचीन सामाजिक और आर्थिक इतिहास के अध्येता प्रो. वाल्टर श्नेदेल कहते हैं कि असमानता के विस्फोटक स्तर पर पहुंच जाने के बाद सरकार के लिए अमीरों के हितों की रखवाली एक मजबूरी बन जाती है। इसका स्वाभाविक परिणाम गरीबों के दमन के रूप में सामने आता है। श्नेदेल के अनुसार इतिहास बताता है कि यह असमानता महामारी, युद्ध, सरकार के पतन या क्रांति से ही मिटती है। उदारीकरण और वैश्वीकरण की आर्थिक नीतियों से 1990 के दशक के बाद दुनिया में पूंजी का बेहद तेजी से विस्तार हुआ और खास बात यह कि इस बढ़ोतरी का सबसे बड़ा हिस्सा कुछ गिने-चुने लोगों के पास जमा होता गया। केवल 10 धनपतियों के पास विश्व की आधी आबादी की कुल सम्पदा से भी ज्यादा पूंजी जमा हो जाना आकस्मिक नहीं है। इसके लिए बाकायदा नीतियां तैयार की गईं और भारत जैसे गैर-विकसित देशों को भी उन पर चलने के लिए मजबूर किया गया। इस उद्देश्य के लिए पहले गेट (जनरल अग्रीमेंट ऑन टैरिफ एंड ट्रैड) बनाकर विभिन्न देशों के आपसी व्यापार के लिए नए नियम बनाए गए। फिर उसको आधार बनाकर 1994-95 में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का गठन किया गया। अनेक ऐसे नए कानून रचे गए, जिनका मकसद हर हालत में संपन्न और विकसित प्रतिष्ठानों व देशों की पूंजी को बढ़ाना और धनपतियों के लिए लाभ की नीतियां बनाना था, जिसमें आर्थिक असमानता में भारी बढ़ोतरी हुई। विश्व आर्थिक संगठन के संस्थापक-अध्यक्ष क्लॉस श्वाब ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा भी है कि यदि इस असमानता को कम न किया गया तो विश्व समाज का वजूद खतरे में पड़ जाएगा। यही बात अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पूर्व प्रबंध निदेशक क्रिस्टीन लैगार्ड भी कह चुके हैं 'ज्यादातर देशों में बहुत ही थोड़े लोग आर्थिक प्रगति का फायदा उठा रहे हैं, लेकिन यह स्थिति समाज की स्थिरता और सामंजस्य के लिहाज से बहुत दिन तक चलने नहीं दी जा सकती।' विश्व बैंक के अध्यक्ष रह चुके जिम योंग किम सावधान करते हुए कहते हैं 'बढ़ती असमानता का समाधान करने में असफलता का अर्थ है सामाजिक अराजकता जो कभी भी विस्फोटक रूप ले सकती है।' भारत दुनिया का दूसरा सबसे ज्यादा गैर-बराबरी की समस्या वाला देश है। केवल एक प्रतिशत लोगों के पास 55 लाख करोड़ की पूंजी जमा है। 2017-18 के दौरान 7300 नए लोग अरबपतियों की जमात में शामिल हुए और इसके साथ बड़े धनपतियों की संख्या तीन लाख 50 हजार की संख्या पार कर गई। इस जमात की कुल संपत्ति का आंकड़ा 7.7 खरब तक पहुंच गया है। दूसरी ओर देश के प्रति वयस्क व्यक्ति के धन का औसत लगभग पांच लाख 15 हजार रुपये है, जबकि चीन में प्रति बालिग के धन का औसत 35 लाख रुपये है। देश में पूंजी का इजाफा तेजी से हुआ है, लेकिन उससे आबादी का अधिसंख्य हिस्सा वंचित है। तथ्य बताते हैं कि आज 91 फीसद लोगों की कुल संपत्ति 7.35 लाख से कम है, जबकि 0.6 प्रतिशत की औसत हैसियत 73.50 लाख या उससे अधिक है। औद्योगिक दृष्टि से विकसित जापान को यह श्रेय है कि वहां असमानता की दर दुनिया में सबसे कम है। भारत से तुलना करें तो यहां देश की पूंजी का 55 प्रतिशत हिस्सा एक फीसद लोगों और 68.6 पूंजी पर पांच प्रतिशत लोगों का कब्ज़ा है। 76.8 फीसद संपत्ति मात्र दस प्रतिशत लोगों के पास है। दूसरे शब्दों में कहें तो आधी आबादी के हिस्से में राष्ट्रीय संपत्ति का 4.1 प्रतिशत से भी कम रह गया है। भारत के मामले में असमानता का ग्राफ़ अमेरिका से भी बहुत आगे पहुंच गया है। वहां एक प्रतिशत के पास मात्र 37.3 फीसद पूंजी है और भारत में यह आंकड़ा 55 फीसद को भी पार कर रहा है। आम जनता की अनदेखी करके सामाजिक व्यवस्था को बहुत समय तक कायम नहीं रखा जा सकता, इस तथ्य से नजर चुराना अराजकता की ओर बढ़ने के अलावा कुछ नहीं है। यह स्थिति व्यवस्था समाज के सौहार्द तथा शांति के लिए चुनौती बनेगी।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

अमिताभ बच्चन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'गुडबाय' की शुरू हुई शूटिंग

मेगास्टार अमिताभ बच्चन और दक्षिण भारतीय फिल्मों की अदाकारा रश्मिका मंदाना की फिल्म 'गुडबाय' की शूटिंग शुरू हो गई है। फिल्म 'गुडबाय' का निर्देशन विकास बहल करेंगे और इसका निर्माण 'बालाजी टेलीफिल्म्स' तथा 'रिलायंस एंटरटेनमेंट' के बैनर तले किया जाएगा। 'यजमाना' (कन्नड़), 'गीता गोविंद' (तेलुगू) और 'देवदास' (तेलुगू) जैसी हिट फिल्मों में काम कर चुकी मंदाना ने बृहस्पतिवार को फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी थी। निर्माताओं के अनुसार, अमिताभ बच्चन रविवार से फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। 'बालाजी टेलीफिल्म्स' की एकता कपूर ने एक बयान में कहा, '' यह एक ऐसी कहानी है, जिससे हरेक परिवार जुड़ाव महसूस करेगा। मैं इस खूबसूरत फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ काम करने को लेकर काफी खुश हूं और रश्मिका मंदाना को लॉन्च करने को लेकर काफी उत्साहित भी हूं।'' वहीं, 'रिलायंस एंटरटेनमेंट' के 'ग्रुप सीईओ'शिबाशीष सरकार ने कहा कि अमिताभ बच्चन और दक्षिण भारतीय फिल्मों की अदाकारा मंदाना के साथ करना गर्व की बात है।

या सानिया मिर्जा की बायोपिक में नजर आएंगी तापसी पन्नू?

बॉलीवुड एक्ट्रस तापसी पन्नू इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। वह इन दिनों भारतीय महिला क्रिकेटर मिताली राज की बायोपिक 'शाबाश मिट्ठू' की तैयारी में बिजी है। फिल्म में मिताली की भूमिका में ढ़लने के? लिए तापसी क्रिकेट की ट्रेनिंग ले रही हैं। वहीं हाल में खबरें आई थी कि तापसी टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा की बायोपिक में भी नजर आ सकती हैं। अब सानिया की बायोपिक में तापसी के दिखने की खबरों को अभिनेत्री ने खुद खारिज कर दिया है। अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू में इस तरह की खबरों पर विराम लगा दिया है। सानिया का जन्म मुंबई में हुआ था और छह साल की उम्र से ही उन्होंने टेनिस खेलना शुरू कर दिया था। सानिया छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन रह चुकी हैं और वह तीन बार का ओलंपिक तक का सफर तय कर चुकी हैं। रियो 2016 ओलंपिक में सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली सानिया के नाम पर 42 WTA युगल खिताब हैं। तापसी पन्नू इन दिनों मिताली की बायोपिक फिल्म 'शाबाश मिट्ठू' के प्रोजेक्ट को पूरा करने में लगी हैं। वायकॉम-18 स्टूडियोज द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन राहुल ढोलकिया करेंगे। प्रिया एवन ने फिल्म की पटकथा लिखी है। पहले 'शाबाश मिट्ठू' फरवरी, 2021 में रिलीज होनी थी, लेकिन कोरोना के कारण इसका काम पूरा नहीं हो पाया है। तापसी पन्नू के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह 'लूप लपेटा' में नजर आने वाली हैं। जल्द ही उन्हें 'रश्मि रॉकेट' में देखा जाने वाला है। इसके अलावा उनके पास हसीन दिलरुबा और शाबाश नायडू जैसी फिल्में भी हैं। तापसी को अनुराग कश्यप की 'दोबारा' में भी देखा जा सकता है।

जब अनुष्का शर्मा ने रणबीर कपूर को मारा था जोरदार थप्पड़

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा अपनी बेटी के जन्म के बाद वापस काम पर लौट चुकी हैं, जिसकी कई सारी तस्वीरें भी सामने आई हैं। इसी बीच अनुष्का का एक पुराना वीडियो अचानक से चर्चा में आ गया है जिसमें वह रणबीर कपूर को जोरदार थप्पड़ मारती हुईं दिखाई दे रही हैं। दरअसल, यह वीडियो करण जौहर की फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' की शूटिंग के दौरान का है जहां एक सीन में अनुष्का ने रणबीर को कई बार थप्पड़ मारे थे। एक सीन में रणबीर यानी अयान की गर्लफ्रेंड और अनुष्का यानी अलीजेह का बॉयफ्रेंड टॉयलेट में एक साथ पकड़े जाते हैं। जिसके बाद रणबीर के रोने का सीन शूट होना था और इस सीन में ओवररिएक्टिंग के लिए अनुष्का को रणबीर को थप्पड़ मारना था। इस सीन को शूट करने के लिए कई बार रीटेक किए गए थे, लेकिन वह ठीक नहीं हो रहा था। इस सीन का जिक्र करते हुए रणबीर कहते हैं कि इस सीन के लिए अनुष्का ने कई रीटेक लिए थे क्योंकि सीन ठीक से नहीं हो पा रहा था। सीन को अच्छे से करने के चक्कर में अनुष्का ने मुझे बहुत जोर से चांटा मार दिया था जिसके बाद मुझे काफी गुस्सा भी आया। लेकिन मुझे पता था तो उस वक्त अपने कैरेक्टर में थी इसलिए मैंने कुछ रिएक्ट नहीं किया। वह हर काम को काफी परफेक्शन के साथ करती हैं, इसलिए वो सीन को भी वैसे ही कर रही थीं।

'थलाइवी' का पहला गाना 'चली चली' हुआ रिलीज, कंगना रनौट ने जयललिता बन बिखेरें जलवे

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौट इन दिनों अपनी फिल्म 'थलाइवी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में कंगना तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री औ दिवंगत एक्ट्रेस जयललिता के किरदार में नजर आने वाली हैं। अब इस फिल्म का पहला गाना 'चली चली' रिलीज हो गया है। यह एक रोमांटिक गाना है। इसमें कंगना रनौट, जयललिता के यंग डेज की झलक दिखा रही हैं। इस गाने में कंगना ने झरने में अपना ऐसा बोल्ड अंदाज दिखाया है जैसा आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। पिंक कलर की साड़ी में कंगना की खूबसूरती आपका दिल जीत लेगी। कंगना ने इस पूरे गाने में जयललिता के फिल्मी लाइफ को बखूबी दिखाया है। बताया जा रहा है कि कंगना इस गाने की शूटिंग के लिए 24 घंटे पानी में रही थीं। इस गाने को सैंधवी प्रकाश ने गाया है और म्यूजिक जी वी प्रकाश कुमार ने दिया है। वहीं लिरिक्स इरशाद कमिल ने लिखे हैं। बता दें कि कंगना ने अनाउंस किया है कि वह थलाइवी का प्रमोशन नहीं करेंगी। कंगना का कहना है कि वह अपनी फिल्म को फैंस पर छोड़ रही हैं। फिल्म को तमिल, तेलुगू और हिन्दी भाषा में 23 अप्रैल 2021 को वर्ल्ड वाइड रिलीज किया जाएगा।

फिल्मी हस्तियों, राजनेताओं से मिली शुभकामनाओं का रजनीकांत ने किया शुक्रिया अदा

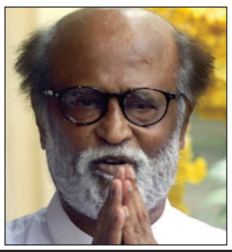

सुपरस्टार रजनीकांत ने प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुस्कार मिलने की घोषणा के बाद फिल्मी हस्तियों, राजनेताओं, शुभचिंतकों और प्रशंसकों से मिली शुभकामनाओं का शुक्रिया अदा किया। रजनीकांत को तीन मई को वर्ष 2019 के लिए दादा साहेब फाल्के पुरस्कार दिया जाएगा। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बृहस्पतिवार को इस संबंध में घोषणा की थी। अभिनेता ने शुक्रवार को ट्वीट किया, '' प्रमुख राजनेताओं, फिल्म जगत के मेरे दोस्तों, सहकर्मियों, शुभचिंतकों, मीडिया, हरेक शख्स जिसने मुझे बधाई देने के लिए समय निकाला और भारत तथा दुनियाभर में बसे मेरे प्रिय प्रशंसकों का प्यार, शुभकामनाओं और बधाइयों का दिल से शुक्रिया।''

'टाइगर 3' की शूटिंग और 'राधे' के प्रमोशन को साथ हैंडल करेंगे सलमान खान!

ऐसी खबरें आ रही हैं कि सलमान खान वर्तमान में अपनी आगामी फिल्मों में से एक 'टाइगर 3' की शूटिंग कर रहे हैं जो कि उनकी सबसे बहुप्रतीक्षित फ्रेंचाइजी में से एक है। अब यह अनुमान लगाया जा रहा है कि सलमान अब मुंबई में 'टाइगर 3' की शूटिंग का शेड्यूल पूरा करने और अपनी ईद रिलीज 'राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई' के लिए प्रचार को एक साथ मैनेज करने वाले है।

दरअसल 'राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई' 13 मई को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी और इसका प्रोमोशन अप्रैल के अंत में शुरू होगा। दूसरी ओर, 'टाइगर 3' की शूटिंग मई के अंत तक जारी रहेगी। सलमान खान की टीम ने कोविड मामलों में वृद्धि को देखते हुए फिल्म 'राधे' के प्रचार के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने के लिए सभी योजनाएं तैयार रखी हैं। इस दौरान सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाएगा।

सलमान खान उस वक्त थिएटर मालिकों के बचाव में उतरे जब उन्होंने उनके लिए अपनी फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने का फैसला किया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि महामारी के इस बेहद अनिश्चित समय के दौरान सिनेमाघरों में अपनी फिल्म को रिलीज करने का यह साहसी निर्णय लेने वाले सलमान किसी मसीहा से कम नहीं है। सलमान के बाद ही दूसरे कलाकारों को अपनी फिल्म को भी सिनेमाघरों में रिलीज करने का साहस मिला है।

गौरतलब है कि 'राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई' में सलमान खान के साथ ही दिशा पाटनी, रणदीप हुड्डा और जैकी श्रॉफ अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके साथ ही दूसरी ओर टाइगर 3 में कैटरीना कैफ और सलमान खान के अलावा इमरान हाशमी नजर आएंगे। याद दिला दें कि इन दोनों फिल्मों के अलावा सलमान खान के खाते में कभी ईद कभी दिवाली और अंतिम भी शुमार हैं।

गंगूबाई काठियावाड़ी पर लगा ग्रहण! क्या सालभर के लिए फिर टल जाएगी फिल्म की रिलीज

एक बार फिर संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की रिलीज को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। फिल्म 30 जुलाई को रिलीज बोने वाली थी लेकिन एक बार फिर से आलिया भट्ट की गंगूबाई काठियावाड़ी की शूटिंग को रोक दिया गया है क्योंकि अभिनेत्री ने हाल ही में कोरोना वायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण किया था। इससे पहले भी, फिल्म की शूटिंग कई मौकों पर रोकनी पड़ी थी। सबसे पहले, कोरोनोवायरस महामारी के कारण देशव्यापी तालाबंदी के कारण इसके बाद जब अनलॉक शुरू हुआ तो निर्देशक संजय लीला भंसाली ने कोरोना वायरस से संक्रमित हो गये। अब खबरें है कि आलिया भट्ट कोरोना वायरस की चपेट में आ गयी हैं जिसके कारण शूटिंग को रोकना पड़ा था।

गंगूबाई काठियावाड़ी से जुड़े लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं क्योंकि आलिया भट्ट ने कोरोनवायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने फिल्म की शूटिंग पर रोक लगाने का आदेश दिया है। गंगूबाई काठियावाड़ी की शूटिंग पिछले साल से मुंबई में हो रही थी और फिल्म अपने आखिरी चरण में थी। हालांकि, जब से आलिया ने सकारात्मक परीक्षण किया है, शूटिंग अब रुकी हुई है और फिल्म को पूरा होने में अधिक समय लगेगा। एफडब्ल्यूआईसीई ने फिल्म से जुड़े सभी सदस्यों को निर्देश दिया है कि यदि किसी में कोरोना के कोई भी लक्षण दिखायी देते हैं तो कोरोनवायरस के लिए खुद का परीक्षण करवाएं।

एफडब्ल्यूआईसीई के अध्यक्ष बी एन तिवारी, महासचिव अशोक दुबे, कोषाध्यक्ष गंगेश्वर श्रीवास्तव और मुख्य सलाहकार शरद शेलार और अशोक पंडित ने कहा, 'हमें पता चला है कि आलिया भट्ट ने कोविद -19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। हम श्रमिकों और तकनीशियनों की सुरक्षा को अनदेखा नहीं कर सकते।' अशोक दुबे ने आगे खुलासा किया कि फिल्म से जुड़े एक तकनीशियन ने उन्हें रात 9 बजे कॉल करते बताय कि उन्होंने आज शूटिंग शुरू कर दी है। जब उन्होंने (अशोक दुबे) उनसे उसी के कारण के बारे में पूछा, तो तकनीशियन ने खुलासा किया कि फिल्म की मुख्य अभिनेत्री ने खुद कोविद के लिए परीक्षण किया है। 'फिर, मैंने चेतन (देओलकर) को फोन किया, जो संजय लीला भंसाली प्रोडक्शंस को संभाल रहे है। उन्होंने मुझे बताया कि यह आलिया भट्ट थीं, जिन्होंने एक कोविद परीक्षण करवाया था, 'उन्होंने कहा,'मैंने बाद में सोनू श्रीवास्तव से बात की, जो गंगूबाई काठियावाड़ी के डांस को-कॉर्डिनेटर हैं। उन्होंने मुझे यह भी बताया कि आलिया की रिपोर्ट सकारात्मक है।'

चेतन देओलकर ने आगे खुलासा किया कि जैसे ही आलिया भट्ट को अपने कोविद -19 की रिपोर्ट मिली, उन्होंने सेट छोड़ दिया फिल्म की शूटिंग अगले कुछ दिनों के लिए रोक दी गई है। एफडब्ल्यूआईसीई के अध्यक्ष बी एन तिवारी ने कहा कि वे यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आलिया भट्ट ने कोविद -19 से संक्रमित होने के दौरान किसी अन्य फिल्म के लिए शूटिंग की या डब किया है या नहीं। दूसरी ओर, गंगेश्वर श्रीवास्तव ने कहा, 'फिल्म निर्माताओं को इस तथ्य पर भी ध्यान देना चाहिए कि कोविद -19 दिशानिर्देशों का ठीक से पालन किया जा रहा है या नहीं।'

गंगूबाई काठियावाड़ी का ट्रेलर इस साल 24 फरवरी को रिलीज हुआ था और प्रशंसक रिलीज़ के लिए काफी उत्साहित थे। यह फिल्म 30 जुलाई को रिलीज़ होने वाली थी। इसमें अजय देवगन और इमरान हाशमी भी अहम भूमिकाओं में है। टीवी अभिनेता शांतनु माहेश्वरी फिल्म में आलिया भट्ट के साथ अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत करेंगे।

होंडा ने जापानी मार्केट में भी लांच की रेट्रो क्रूजर बाइक जीबी-350 एस

नई दिल्ली। भारत में सफल लॉन्चिंग के बाद होंडा ने अपनी रेट्रो क्रूजर मोटरसाइकिल सीबी 350 आरएस को जापानी मार्केट में लॉन्च कर दिया है। इस मोटरसाइकिल को जापान में जीबी-350 एस के नाम से लॉन्च किया गया है जिसकी कीमत 5,94,000 येन (3.94 लाख रुपए) रखी गई है। यह मोटर साइकिल 15 जुलाई से उपलब्ध हो जाएगी। अगर बात करें भारत की तो इस मोटरसाइकिल की बिक्री 1.98 लाख रुपए (एक्स-शोरूम, दिल्ली) में की जाती है। भारत के विपरीत, जापानी मार्केट में इस मोटरसाइकिल को दो नई पेंट स्कीम में लॉन्च किया गया है। इन कलर ऑप्शंस में पर्ल डीप मड ग्रे और गनमेटल ब्लैक मेटालिक शामिल हैं। दूसरी ओर, भारत में उपलब्ध कलर ऑप्शंस की बात करें तो इनमें रेडिएंट रेड मेटैलिक और ब्लैक में पर्ल स्पोर्ट्स येलो आदि शामिल हैं। होंडा सीबी 350 आरएस को पावर देने के लिए 348.6सीसी, सिंगल-सिलेंडर एयर-कूल्ड इंजन का प्रयोग किया गया है जो सीबी 350 को भी पावर देता है। यह इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ 5,500आरपीएम पर 20.78बीएचपी की पावर और 3,000आरपीएम पर 30एनएम का पीक टॉर्क पैदा करने में सक्षम है।

मार्च में वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री हुई

मुंबई। देश की वाहन कंपनियों ने कोरोना महामारी को पीछे छोड़ दिया है। इस बात की जानकारी वाहन कंपनियों के मार्च महीने में बिक्री आंकड़े से मिली है। विभिन्न कंपनियों की ओर से जारी आंकड़े में वाहनों की मांग में 100 फीसदी से लेकर 500 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंकड़े इसलिए भी बेहतर हैं क्योंकि पिछले साल इसी समय कोविड का असर वाहन उद्योग पर दिखाई देने लगा था। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा कि मार्च में उसकी कुल बिक्री 1,67,014 इकाई रही। कंपनी ने कोरोना वायरस महामारी के कारण देशव्यापी लॉकडाउन के बीच पिछले साल मार्च में 83,792 इकाइयों की बिक्री की थी, जबकि पिछले महीने उसकी कुल घरेलू बिक्री 1,49,518 इकाई थी। पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण विनिर्माण और बिक्री काफी हद तक प्रभावित हुई थी। मार्च 2020 में घरेलू बिक्री लगभग 48 प्रतिशत घट गई थी। उल्लेखनीय है कि मार्च 2021 में घरेलू बिक्री, मार्च 2019 के स्तर तक ही पहुंच पाई है। बीते महीने कंपनी ने 91.77 प्रे तिशत की ग्रोथ के साथ कुल 167,014 गाड़ियां बेचीं। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने कहा कि उसने मार्च में कुल 40,403 गाड़ियों की बिक्री की। कंपनी ने कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बीच मार्च 2020 में 6,679 इकाइयां बेची थीं। कंपनी ने बताया कि उसने पिछले महीने घरेलू बाजार में कुल 16,700 यात्री वाहन बेचे। मार्च 2020 में यह आंकड़ा 3,383 था। एमएंडएम ने पिछले महीने घरेलू बाजार में 21,577 वाणिज्यिक वाहन बेचे थे। हुंदै मोटर इंडिया ने कहा कि उसने मार्च में कुल 64,621 इकाइयों की बिक्री की। कंपनी ने बताया कि पिछले साल इसी महीने में उसकी कुल बिक्री 32,279 इकाई थीं। पिछले महीने कंपनी की घरेलू बिक्री 52,600 इकाई रही। इस दौरान 12,021 इकाइयों का निर्यात किया गया। टोयोटा किर्लोस्कर ने बताया कि उसने मार्च में कुल 15,001 इकाइयां बेचीं, और उनसे 2013 के बाद से सबसे अधिक घरेलू बिक्री दर्ज की है। एमजी मोटर इंडिया ने बताया कि मार्च में उसकी खुदरा बिक्री 5,528 इकाई रही, जो उसकी अब तक सबसे अधिक मासिक बिक्री है। आयशर मोटर्स ने मार्च 2021 में अपनी असिस्टेंट सब्सिडियरी वीई कमर्शियल व्हीकल्स (वीईसीवी) के लिए कुल 7,037 यूनिट्स की सेल की। पिछले साल मार्च में कोविड-19 के चलते हुए लॉकडाउन से प्रभावित सेल के दौरान वाणिज्यिक वाहनों की कुल 1,499 यूनिट्स बेची थीं। आयशर ब्रांडेड ट्रकों और बसों ने इस साल मार्च में कुल 6,870 यूनिट्स की सेल दर्ज की। एग्री मशीनरी सेगमेंट में एस्कॉर्ट्स ने मार्च 2021 में 12,337 ट्रैक्टर्स बेचे। कंपनी के मुताबिक ये उसका किसी भी महीने की सबसे बड़ी सेल्स है। इसे मार्च 2020 की तुलना में 124.4त्र से भी ज्यादा की ग्रोथ मिली है।

मशीनों पर बढ़ती निर्भरता से नौकरियों पर मंडरा रहा खतरा, 2025 तक करीब 10 में 6 लोग खो देंगे नौकरियां

जेनेवा।

वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की रिपोर्ट के मुताबिक पूरी दुनिया में 2025 तक 10 में 6 लोग अपनी नौकरियां खो देंगे। इसकी वजह काम में मशीनों और इंसानों द्वारा काम में लगने वाले समय को बताया जा रहा है। शिनुआ के मुताबिक उनकी यह रिपोर्ट 19 देशों में प्राइस वाटर हाउस कूपर कंपनी में काम करने वाले 32,000 कर्मचारियों पर किए गए सर्वे के बाद सामने आई है। सर्वे के अनुसार दुनिया भर के 40 प्रतिशत कर्मचारियों को लगता है कि वह अगले 5 सालों में अपनी नौकरी खो देंगे, जबकि 56 प्रतिशत लोगों को लगता है कि वह भविष्य में भी लंबे समय तक के लिए रोजगार के विकल्प हासिल कर पाएंगे। 60 प्रतिशत से ज्यादा लोगों की दरकार है कि सरकार उनकी नौकरियों की सुरक्षा करे। विश्वव्यापी लॉकडाउन में 40 प्रतिशत लोगों ने अपनी डिजिटल स्किल को बेहतर किया, जबकि 77 प्रतिशत लोग कुछ नया सीखने और खुद में सुधार के लिए तैयार हैं। तकरीबन 80 प्रतिशत लोग अपनी योग्यता पर विश्वास करके नई टेक्नोलोजी को सीखने के प्रति आश्वस्त हैं। पिछली वर्ल्ड इकोनोमिक की रिपोर्ट के अनुसार बढ़ती मशीनों की तादाद और आर्टिफिशियल इनटेलिजेंस के कारण 8.5 करोड़ नौकरियां खतरे में है।

मौजूदा हालत में 9.7 करोड़ रोजगार के सृजन की बात कही गई।

ब्रिटेनिया की कमान संभालेंगे उर्जित पटेल

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को बिस्किट और डेयरी प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी ब्रिटेनिया ने तत्काल प्रभाव से कंपनी का एडिशनल डायरेक्टर नियुक्त किया है। वे इस पद पर अगले पांच सालों के लिए बने रहेंगे। खबर के मुताबिक शेयर बाजार को दी गई जानकारी में ब्रिटानिया की तरफ से कहा गया कि 31 मार्च 2021 को कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक हुई थी। इस बैठक में फैसला लिया गया कि उर्जित पटेल 31 मार्च 2021 से 30 मार्च 2026 के बीच कंपनी के एडिशनल डायरेक्टर पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। रघुराम राजन के जाने के बाद एनडीए सरकार ने उर्जित पटेल को रिजर्व बैंक का गवर्नर नियुक्त किया था। पटेल 2016-2018 के बीच दो सालों के लिए आरबीआई गवर्नर की जिम्मेदारी संभाली थी। उससे पूर्व वह आरबीआई के डिप्टी गवर्नर थे। वर्तमान में वे नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी के चेयरमैन हैं। इसके अलावा वे आर्मी ग्रुप इंश्योरेंस के लिए इन्वेस्टमेंट एडवाइजर की भी भूमिका अदा कर रहे हैं। सरकारी जिम्मेदारी मिलने से पूर्व उर्जित पटेल करीब 15 सालों तक दुनिया के बेहतरीन संस्थानों के साथ काम किया है। पटेल ने अपने करियर की शुरुआत इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड से की। इसके अलावा वे फाइनेंस मिनिस्ट्री के लिए कंसल्टेंट के रूप में भी काम किया।

Wipro ने किया आस्ट्रेलिया की इस कंपनी को खरीदने का ऐलान, 857 करोड़ रुपए में हुआ सौदा

बिजनेस डेस्क: दिग्गज आईटी कंपनी विप्रो (**Wipro**) ने गुरुवार को कहा कि वह 11.70 करोड़ डॉलर (करीब 857 करोड़ रुपए) में आस्ट्रेलिया स्थित साइबर सुरक्षा उपलब्ध कराने वाली कंपनी एम्पिओन (**Ampion**) का अधिग्रहण करेगी। विप्रो ने नियामकीय सूचना में कहा है कि एम्पिओन का अधिग्रहण कंपनी के लिए साइबर सुरक्षा, परिचालन बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण इंजीनियरिंग सर्विस उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। इससे कंपनी के आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड स्थित ग्राहकों और दूसरे पक्षों के साथ प्रतिबद्धता को और मजबूती मिलेगी। कंपनी ने कहा है कि यह अधिग्रहण विभिन्न शतों के पूरा होने पर निर्भर करेगा। इसके लिए कई नियामकीय मंजूरियां भी लेनी होंगी और उम्मीद की जाती है कि यह 30 जून 2021 को समाप्त होने वाली तिमाही के अंत तक पूरा हो जाएगा। गौरतलब है कि एम्पिओन का मुख्यालय मेलबर्न में है। उसके सिडनी, ब्रिस्बेन और केनबरा में भी ऑफिस हैं। हाल ही में विप्रो ने बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर कंसल्टेंसी फर्म कैपको (**Capco**) का 1.45 अरब डॉलर के निवेश से अधिग्रहण किया है। यह विप्रो द्वारा अब तक किया गया सबसे बड़ा अधिग्रहण है। कंपनी ने एक बयान में कहा था कि इस अधिग्रहण से बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेस और इंश्योरेंस सेक्टर में कंपनी की आईटी सर्विस प्रोवाइडर के तौर पर मजबूती और बढ़ेगी। इस अधिग्रहण से कंपनी को बड़े और अहम बीएफएसआई क्लायंट हासिल करने में मदद मिलेगी। कंसल्टेंसी कारोबार में कंपनी की पहचान को और मजबूती मिलेगी।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आ सकती है कमी, तेल निर्यातक देशों ने लिया ये बड़ा फैसला

बिजनेस डेस्क:

तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) और सहयोगी देश तेल उत्पादन धीरे-धीरे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। इससे पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी आ सकती है। ओपेक ने गुरुवार को कहा कि वे मई से जुलाई के दौरान 20 लाख बैरल प्रतिदिन तक तेल उत्पादन बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि वे सतर्क रुख अपनाते हुए कोविड-19 महामारी से वैश्विक अर्थव्यवस्था में पुनरूद्धार के साथ कदम उठा रहे हैं। महामारी के दौरान मांग घटने से कीमत में गिरावट को थामने के इरादे से ओपेक और सहयोगी देशों ने पिछले साल उत्पादन घटाने का निर्णय किया था। अब समूह ने मई से जुलाई के दौरान प्रतिदिन 20 लाख बैरल तेल उत्पादन बढ़ाने का निर्णय किया है। समूह मई में साढ़े तेल लाख बैरेल प्रतिदिन, साढ़े तीन लाख बैरल प्रतिदिन जून में और चार लाख बैरल जुलाई में बढ़ाएंगे।

इस बीच, सऊदी अरब ने कहा कि वह खुद से 10 लाख बैरल प्रतिदिन अतिरिक्त उत्पादन की बहाली करेगा।

धर्मेंद्र प्रधान ने की थी अपील

इससे पहले पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओपेक देशों से अपील की थी कि कच्चे तेल के दाम में स्थिरता लाने के लिए वह उत्पादन पर लागू बंदिशों को कम करें। उनका मानना था कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बढ़ते कच्चे तेल के दाम से आर्थिक क्षेत्र में आने वाला सुधार और मांग दोनों पर बुरा असर पड़ रहा है।

ओपेक देशों की बैठक के बाद भारत के आग्रह के बारे में पूछे गए सवाल पर सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलाजीज बिन सलमान ने कहा था कि भारत को पिछले साल काफी कम दाम पर खरीदे गए कच्चे तेल के भंडार में से कुछ तेल का इस्तेमाल कर लेना चाहिए।

तेल के दामों में राहत

पिछले कुछ दिनों से देश में तेल के दामों से लोगों को राहत मिली है। देश की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल डीजल की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं की है। इस प्रकार पूरे पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव के चलते मार्च महीने में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

मार्च महीने में निर्यात में आया उछाल, व्यापार घाटा भी बढ़ा

नई दिल्ली:

देश का निर्यात कारोबार मार्च में 58.23 फीसदी उछलकर 34 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इंजीनियरिंग, रत्न एवं आभूषण तथा औषधि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में माह के दौरान अच्छी वृद्धि दर्ज की गई जिससे निर्यात बढ़ा। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार समूचे वित्त वर्ष 2020-21 में निर्यात 7.4 फीसदी घटकर 290.18 अरब डॉलर रहा, जो इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 में 313.36 अरब डॉलर रहा था। पिछले साल मार्च 2020 में निर्यात 21.49 अरब डॉलर का हुआ था। कोविड-19 संकट के कारण वैश्विक नरमी की वजह से मार्च 2019 के मुकाबले 34 फीसदी की गिरावट आई थी।

52.89 फीसदी बढ़ा आयात

बयान के अनुसार, मार्च में आयात 52.89 फीसदी बढ़कर 48.12 अरब डॉलर रहा। एक साल पहले मार्च 2020 में यह 31.47 अरब डॉलर था। वहीं वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान आयात 18 फीसदी घटकर 388.92 अरब डॉलर रहा, जो 2019-20 में 474.71 अरब डॉलर तक पहुंच गया था।

14.12 अरब डॉलर पर पहुंच गया व्यापार घाटा

आलोच्य माह में व्यापार घाटा बढ़कर 14.12 अरब डॉलर पहुंच गया, जो एक साल पहले मार्च 2020 में 9.98 अरब डॉलर था। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'भारत का वस्तु निर्यात मार्च 2021 में सालाना आधार पर 58.23 फीसदी बढ़कर 34 अरब डॉलर रहा। मार्च 2020 में यह 21.49 अरब डॉलर था।' यह पहली बार है जब किसी महीने में निर्यात 34 अरब डॉलर रहा है।

इतना रहा सोने व तेल का आयात

मार्च महीने में तेल आयात 1.22 फीसदी बढ़कर 10.17 अरब डॉलर रहा। पूरे वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान तेल आयात 37 फीसदी घटकर 82.25 अरब डॉलर रहा। वहीं, आलोच्य महीने में गैर-तेल आयात 777.12 फीसदी उछलकर 37.95 अरब डॉलर रहा। पूरे वित्त वर्ष के दौरान आयात 10.89 फीसदी घटकर 306.67 अरब डॉलर रहा। सोने का आयात मार्च महीने में उछलकर 7.17 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ट्विटर पर लिखा कि, 'वस्तु निर्यात मार्च 2021 में सालाना आधार पर 58 फीसदी बढ़कर 34 अरब डॉलर रहा। भारतीय इतिहास में किसी एक महीने में यह सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की नीतियां महामारी के बावजूद देश को नई ऊंचाई पर ले जा रही है।

चीनी मिलों पर गन्ने का बकाया फरवरी तक 22,900 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली । गन्ना सत्र 2020- 21 में फरवरी तक चीनी मिलों पर गन्ने का बकाया एक साल पहले के मुकाबले 19.27 प्रतिशत बढ़कर 22,900 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने इसकी जानकारी दी। उसका कहना है कि चीनी के कमजोर दाम के कारण चीनी मिलों की नकदी की स्थिति प्रभावित हुई है। इस्मा ने कहा कि उसे उम्मीद है कि सरकार चीनी मिलों की स्थिति में सुधार के लिए चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य को मौजूदा स्तर से बढ़ाएगी। इस्मा ने कहा है कि चीनी मिलों की राजस्व प्राप्ति में सुधार लाना जरूरी है अन्यथा यदि मौजूदा स्थिति और खराब होती है तो किसानों के गन्ने का बकाया तेजी से बढ़ेगा। एसोसिएशन ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि इस साल गन्ने का बकाया एक साल पहले के मुकाबले अधिक है। एक साल पहले इसी अवधि में यह 19,200 करोड़ रुपए था।

MobiKwik के डेटा लीक पर RBI सख्त, जांच के दिए आदेश

बिजनेस डेस्क:

हाल ही में हैकर्स ने डिजिटल पेमेंट कंपनी मोबिक्विक (**Mobikwik**) के 9.9 करोड़ भारतीय ग्राहकों का डेटा लीक करने का दावा किया है। हैकर्स की तरफ से जारी डेटा में ग्राहकों के मोबाइल नंबर, क्रेडिट कार्ड नंबर, बैंक अकाउंट नंबर, केवाईसी विवरण से लेकर ईमेल तक शामिल हैं। अब आरबीआई (**RBI**) ने मोबिक्विक को आरोपों की फॉरेंसिक ऑडिट कराने का आदेश दिया है। इसके साथ ही आरबीआई ने कंपनी को चेतावनी भी दी है कि अगर कोई गलती पाई जाती है तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा। केंद्रीय बैंक के पास ऐसे मामले में किसी पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर पर कम से कम 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाने की शक्ति है।

कंपनी का दावा, मोबिक्विक के डाटाबेस में नहीं हुई हैकिंग

हैकर समूह जॉर्डनेवन ने मोबिक्विक के फाउंडर बिपिन प्रीत सिंह और मोबिक्विक की सीईओ उपासना टाकू का ब्योरा भी डाटाबेस से शेयर किया है। हालांकि, मोबिक्विक ने हैकर्स के दावे को गलत बताया है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि हम डेटा सिक्योरिटी को काफी गंभीरता से लेते हैं और मान्य डाटा सुरक्षा कानूनों का पूरी तरह पालन करते हैं। वहीं, हैकर समूह ने मोबिक्विक क्यूआर कोड की कई तस्वीरों के साथ **KYC** के लिए इस्तेमाल होने वाले दस्तावेज भी अपलोड किए हैं। मोबिक्विक ने कहा है कि वह इस बारे में संबंधित अधिकारियों के साथ काम कर रही है। गौरतलब है कि मोबिक्विक ऐप से हर दिन 10 लाख से भी ज्यादा लेनदेन किए जाते हैं। मौजूदा समय में इस ऐप से 30 लाख से भी ज्यादा कारोबारी जुड़े हुए हैं। वहीं, इसके ग्राहकों की संख्या 12 करोड़ से ज्यादा है।

मार्च में निर्यात में आया उछाल, व्यापार घाटा भी बढ़ा

मुंबई।

देश का निर्यात कारोबार मार्च में 58.23 फीसदी उछलकर 34 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इंजीनियरिंग, रत्न एवं आभूषण तथा औषधि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में माह के दौरान अच्छी वृद्धि दर्ज की गई जिससे निर्यात बढ़ा। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार समूचे वित्त वर्ष 2020-21 में निर्यात 7.4 फीसदी घटकर 290.18 अरब डॉलर रहा, जो इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 में 313.36 अरब डॉलर रहा था। पिछले साल मार्च 2020 में निर्यात 21.49 अरब डॉलर का हुआ था। कोविड-19 संकट के कारण वैश्विक नरमी की वजह से मार्च 2019 के मुकाबले 34 फीसदी की गिरावट आई थी।बयान के अनुसार, मार्च में आयात 52.89 फीसदी बढ़कर 48.12 अरब डॉलर रहा। एक साल पहले मार्च 2020 में यह 31.47 अरब डॉलर था। वहीं वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान आयात 18 फीसदी घटकर 388.92 अरब डॉलर रहा, जो 2019-20 में 474.71 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। आलोच्य माह में व्यापार घाटा बढ़कर 14.12 अरब डॉलर पहुंच गया, जो एक साल पहले मार्च 2020 में 9.98 अरब डॉलर था। मंत्रालय ने कहा` कि भारत का वस्तु निर्यात मार्च 2021 में सालाना आधार पर 58.23 फीसदी बढ़कर 34 अरब डॉलर रहा। मार्च 2020 में यह 21.49 अरब डॉलर था। यह पहली बार है जब किसी महीने में निर्यात 34 अरब डॉलर रहा है। मार्च महीने में तेल आयात 1.22 फीसदी बढ़कर 10.17 अरब डॉलर रहा। पूरे वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान तेल आयात 37 फीसदी घटकर 82.25 अरब डॉलर रहा। वहीं आलोच्य महीने में गैर-तेल आयात 777.12 फीसदी उछलकर 37.95 अरब डॉलर रहा। पूरे वित्त वर्ष के दौरान आयात 10.89 फीसदी घटकर 306.67 अरब डॉलर रहा। सोने का आयात मार्च महीने में उछलकर 7.17 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ट्विटर पर लिखा कि वस्तु निर्यात मार्च 2021 में सालाना आधार पर 58 फीसदी बढ़कर 34 अरब डॉलर रहा।

प्रोत्साहन के क्षेत्र में क्वालिटी मार्क पुरस्कार 2021

क्वालिटी मार्क ट्रस्ट द्वारा आयोजित क्वालिटी मार्क अवार्ड्स इस वर्ष का दसवां संस्करण है, क्वालिटी मार्क ट्रस्ट द्वारा मेक इन इंडिया की अवधारणा के तहत एसे संस्थानों को सम्मानित किया जाता है जो उद्योग में तेजी से बढ़ता बाजार में उनके उत्पादों और सेवाओं के लिए अपनी पहचान बनाता है। 'क्वालिटी मार्क अवार्ड्सज के पिछले नौ कार्यक्रमों की उद्यमियों द्वारा बहुत प्रशंसा की गई है और अब इसके दसवें संस्करण के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। क्वालिटी मार्क अवार्ड्स के लिए नामांकन और पंजीकरण क्वालिटी मार्क ट्रस्ट की वेबसाइट www.qualitymarktrust.com पर जाकर किए जा सकते हैं। नामांकन और पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी तरह से मुफ्त है। और भारत का कोई भी उद्यमी इन पुरस्कारों में भाग ले सकता है। उद्योग के अलावा, महिला उद्यमी और सेवा उद्योग से जुड़े व्यक्ति भी 'क्वालिटी मार्क अवार्ड्सज में भाग ले सकते हैं। क्वालिटी मार्क ट्रस्ट को अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रणाली में सहयोगी समिति के सदस्यों द्वारा वर्ष 2013 में शुरू किया गया था।

यह उत्कृष्टता के आधार पर दिया जाने वाला भारत का पहला और एकमात्र पुरस्कार है। इसके तहत, बाजार में पेश किए जाने वाले किसी भी व्यवसाय, उसके उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता का निर्धारण मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है। इससे पहले, नौ क्वालिटी मार्क अवार्ड आयोजित किए गए थे, जिसमें भारत के सभी महत्वपूर्ण राज्यों के व्यापारी शामिल थे। क्वालिटी मार्क अवार्ड्स प्रत्येक वर्ष 800 से अधिक उद्यमियों को नामित करता है। क्वालिटी मार्क ट्रस्ट की इस निःशुल्क पंजीकरण प्रक्रिया के माध्यम से कोई भी छोटा उद्यमी अपना पंजीकरण करा सकता है। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ट्रस्ट के जूरी सदस्यों द्वारा टेलिफोनिक साक्षात्कार के लिए उद्यमियों का चयन किया जाता है। आवश्यकतानुसार देश के विभिन्न राज्यों में स्थित उद्यमियों को आमने-सामने साक्षात्कार के माध्यम से उनकी गुणवत्ता का आश्वासन दिया जाता है और उनके ग्राहकों को उनके द्वारा प्रदान की गई गुणवत्ता की जानकारी एकत्र की जाती है। इसके माध्यम से, उस विशेष संगठन की क्षमता भी निर्धारित की जाती है। ट्रस्ट के जूरी सदस्य फिर विजेताओं के चयन और उनके नामों की घोषणा के साथ उनके पंजीकरण फॉर्म के आवेदन के लिए कहते हैं।

नोएडा में 60 हजार वर्गमीटर में परियोजना लगाएगी माइक्रोसॉफ्ट, हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार

नोएडा:

विश्व की मशहूर सॉफ्टवेयर निर्माता कंपनी माइक्रोसॉफ्ट नोएडा के सेक्टर 145 में 60 हजार वर्ग मीटर में परियोजना लगाएगी। इसके लिए बृहस्पतिवार को नोएडा प्राधिकरण ने जमीन आवंटित कर दी। सेक्टर 145 में एक स्कूल के लिए भी नोएडा प्राधिकरण ने जमीन आवंटित की। नोएडा विकास प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऋतु महेश्वरी ने बताया कि विश्व की सुप्रसिद्ध सॉफ्टवेयर निर्माता कंपनी माइक्रोसॉफ्ट को नोएडा के सेक्टर 145 में 60 हजार वर्ग मीटर जमीन आवंटित की गई है। उन्होंने बताया कि उक्त जमीन की कीमत 103 करोड़ रुपए है। उन्होंने बताया कि कंपनी भारत में अपनी सबसे बड़ी परियोजना नोएडा मे लगाएगी। इससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट की ओर से नोएडा में निवेश को लेकर काफी दिनों से बातचीत चल रही थी। इसी कड़ी में संस्थागत भूखंडों की योजना के चतुर्थ चरण में आईटी और आईटी इनेबल सर्विसेज के उपयोग के लिए सेक्टर 145 के भूखंड संख्या ए-01 और ए-02 में कुल 60 हजार वर्ग मीटर जमीन का आवंटन माइक्रोसॉफ्ट इंडिया (आरएंडी) प्राइवेट लिमिटेड को किया गया है। उन्होंने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट के नोएडा में परियोजना लगाने से सॉफ्टवेयर क्षेत्र की अन्य कंपनियां भी नोएडा की तरफ आकर्षित होंगी। उन्होंने बताया कि योजना की शर्तों के तहत 40 प्रतिशत आवंटन धनराशि 1 माह के अंदर जमा करानी है। बाकी 60 प्रतिशत धनराशि 8 छमाही किस्तों में कंपनी को देनी होगी। परियोजना के निर्माण के लिए पांच साल का समय प्राधिकरण देगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा शिव शिक्षा समिति को सेक्टर 145 में स्कूल के लिए जमीन आवंटित की गई है। इससे प्राधिकरण को 24.63 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे।

जापान के कोविड प्रभावित क्षेत्रों में रद्द हो सकती है ओलंपिक मशाल रिले

तोक्यो । तोक्यो 2020 की प्रमुख सीको हाशिमोतो ने शुक्रवार को कहा कि जिन क्षेत्रों में कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं वहां ओलंपिक मशाल रिले को रद्द किया जा सकता है। हाशिमोतो ने तोक्यो में नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'एक टीम है जिसने (मशाल रिले में) भाग लेने से इन्कार कर दिया है। प्रत्येक क्षेत्र में वायरस की स्थिति लगातार बदल रही है, इसलिए हमें जल्द से जल्द निर्णय लेने की आवश्यकता है लेकिन साथ ही आखिरी क्षणों में बदलाव के लिये भी हमारा रुख लचीला होना चाहिए।' समिति अप्रैल के आखिर में जापान में दर्शकों की संख्या को अंतिम रूप देगी। हाशिमोतो से जब तीन अप्रैल से शुरू होने वाली कुछ परीक्षण प्रतियोगिताओं को रद्द करने के बारे में पूछा गया, उन्होंने कहा 'जिस माहौल में खिलाड़ी सुरक्षित महसूस करें, उसमें हम प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाने के लिये प्रतिबद्ध हैं। हमें इस पर कड़ी मेहनत करनी होगी।'

फेडरर के जन्मदिन को अपने नेशनल डे में बदल सकता है स्विट्ज़रलैंड

ल्यूसाने.

महान टेनिस स्टार रोजर फेडरर दुनिया के लिए एक किंवदंती है, लेकिन अपने देश स्विटजरलैंड के लोगों के लिए फेडरर इससे भी कहीं अधिक बढ़कर हैं। टेनिस की शानदार उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए स्विट्ज़रलैंड 8 अगस्त, 2021 को अपना नया नेशनल डे के रूप में मनाने की तैयारी कर रहा है। इस दिन फेडरर 40 साल को हो जाएंगे और इसके लिए हालांकि स्विस सरकार को अपना नेशनल डे एक सप्ताह आगे ले जाना होगा। स्विस सरकार राष्ट्र किंवदंती और पूर्व विश्व नंबर-1 को ऐसा एक उपहार देकर सम्मानित करने का इच्छुक है, जो दुनिया के किसी भी देश ने अपने खेल नायक को नहीं दिया होगा। यह सब स्विस संसद में शुरू हुआ, जहां कई सांसदों ने अपने अनोखे तरीके से फेडरर को सम्मानित करने के लिए सोशल मीडिया पर एक पहल शुरू की। जल्द ही, इस कदम ने उनके प्रशंसकों की विरासत के बीच गति प्राप्त की और बहुत जल्द ही यह 80 लाख देशवासियों की बात बन गई। यह पहली बार नहीं है जब यूरोपीय देश टेनिस के महान खिलाड़ी पर स्नेह और कृतज्ञता बरसा रहा है। स्विट्ज़रलैंड ने फेडरर के सम्मान में बीते साल स्विसमिंट से 20 फ्रैंक का चांदी का सिक्का निकाला था। हाल ही में फेडरर ने स्विस टूरिज्म के साथ करार किया है, जिसके तहत अब दुनिया इस खूबसूरत देश को उसके सबसे महान सपूत की नजरों से देखेगी। वर्षो से स्विटजरलैंड का प्रतिनिधित्व कर रहे फेडरर ने स्विस नेशनल टूरिजम बोर्ड के साथ लंबे अवधि का करार किया है। इसका उद्देश्य स्विटजरलैंड के पर्यटन को बढ़ावा देना है। फेडरर और स्विटजरलैंड टूरिजम साथ में मिलकर वैश्विक रूप से देश में पर्यटन को बढ़ावा देने पर काम करेंगे। कोरोना के कारण पूरे विश्व में पर्यटन के क्षेत्र पर इस महामारी का सर्वाधिक असर पड़ा है। स्विटजरलैंड टूरिजम के सीईओ मार्टिन निदेगर ने कहा, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए फेडरर सही व्यक्ति हैं। स्विटजरलैंड और उसकी प्रकृति ने स्पष्ट रूप से फेडरर के अभूतपूर्व करियर में योगदान दिया है। फेडरर ने कहा, मैंने हमेशा सोचा कि जब टेनिस कोर्ट में कदम रखूं तो स्विटजरलैंड का प्रतिनिधित्व करूं। जहां भी मेरा नाम जाए, वहां स्विटजरलैंड का झंडा हो। पिछले 22 वर्षो से ऐसा करके गर्व हो रहा है। स्टिजरलैंड टूरिजम के साथ जुड़ना मेरे लिए लॉजिकल स्टेप है।

मौजूदा चैंपियन एश बार्टी मियामी ओपन के फाइनल में पहुंची

मियामी ।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एश बार्टी ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके गुरुवार को यहां मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बार्टी ने उक्रेन की पांचवीं वरीयता प्राप्त इलिना स्वितोलिना को 6-3, 6-3 से हराया। विश्व रैंकिंग में अपना पहला स्थान सुनिश्चित कर चुकी बार्टी खिताबी मुकाबले में बियांका आंद्रेस्कू और मारिया सकारी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़ेगी। इस बीच पुरुष एकल में 20 वर्षीय सेबेस्टियन कोर्डा का अभियान क्वार्टर फाइनल में थम गया। चौथी वरीयता प्राप्त आंद्रेई रूबलेव ने कोर्डा को 7-5, 7-6 (7) से हराया। कोर्डा 2003 में रॉबी गिनेप्री के बाद मियामी के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा अमेरिकी खिलाड़ी बने थे। रूबलेव और पोलैंड के हूबर्ट हरकाज शीर्ष स्तर के एटीपी टूर्नामेंट में अपना पहला सेमीफाइनल खेलेंगे। हरकाज ने दूसरी वरीयता प्राप्त स्टेफनोस सिटिसिपास को 2-6, 6-3, 6-4 से पराजित किया।

अदिति अशोक पहले दौर के बाद संयुक्त 70वें स्थान पर

रैंचो मिराज (अमेरिका) । भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने इस साल के पहले मेजर एएनए इन्स्परेशन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में एक ओवर 73 का स्कोर बनाया और वह संयुक्त 70वें स्थान पर हैं। अदिति अपने 16वें मेजर में खेल रही हैं। उन्होंने 10वें होल से शुरुआत की और उसी में शॉट गंवा दिया। अगले 10 होल में उन्होंने पार स्कोर बनाया। उन्होंने अपनी एकमात्र बर्डी पार-4 वाले तीसरे होल में बनायी लेकिन पार-3 के पांचवें होल में वह बोगी कर गई। इसके बाद अदिति बाकी होल में पार स्कोर बनाने में सफल रही। अदिति चौथी बार एएनए इन्स्परेशन में खेल रही हैं। वह 2017 में संयुक्त 42वें स्थान पर रही थी जो उनका इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। किसी मेजर में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन संयुक्त 22वां स्थान है जो उन्होंने 2018 में ब्रिटिश ओपन में हासिल किया था। थाईलैंड की पैटी तवातनाकित ने छह अंडर 66 का कार्ड खेला और पहले दौर के बाद बढ़त हासिल की।

उत्तर और दक्षिण कोरिया साथ मिलकर करना चाहते हैं 2032 ओलंपिक की मेजबानी

सियोल.

आपसी संबंधों में कोई मिठास नहीं होने के बावजूद उत्तर और दक्षिण कोरिया ने साथ मिलकर 2032 ओलंपिक की मेजबानी करना चाहते हैं। इस सम्बंध में एक बड़ा बयान उस समय आया जब दक्षिण कोरिया ने कहा कि उसने 2032 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की सह-मेजबानी के लिए उत्तर कोरियाई राजधानी प्योंगयांग के साथ संयुक्त दावा पेश किया है। 2018 के अंत में, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन और उनके उत्तर कोरियाई समकक्ष किम जोंग उन ने एक शिखर सम्मेलन के दौरान एक संयुक्त ओलंपिक बोली की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की थी, लेकिन जल्द ही देशों के बीच संबंधों में खटास आ गई और यह महसूस किया गया कि संयुक्त बोली नहीं लगेगीं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने कथित तौर पर खेलों के इस महाकुंभ की मेजबानी ऑस्ट्रेलियाई शहर ब्रिस्बेन को देने का इच्छुक है लेकिन इसके बावजूद सियोल की मेट्रोपॉलिटन सरकार ने प्योंगयांग के साथ अपनी संयुक्त बोली के बारे में आईओसी को अवगत करा दिया है। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने एक बयान के हवाले से कहा, आईओसी ने ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन को 2032 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के लिए पसंदीदा होस्ट के रूप में 25 फरवरी को घोषित किया था।

दक्षिण कोरियाई सरकार और सियोल शहर ने तुरंत निर्णय पर खेद व्यक्त किया और आईओसी के साथ विचार-विमर्श किया, जिससे साथ मिलकर ओलंपिक और शीतकालीन ओलंपिक की सहमेजबानी की दावेदारी का मार्ग प्रशस्त हुआ। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने यह भी बताया कि सियोल ने गुरुवार को आईओसी को संयुक्त रूप से 2032 ओलंपिक की मेजबानी के लिए प्योंगयांग के साथ संयुक्त बोली प्रस्ताव भेजा था।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व पाकिस्तानी दिग्गज ने सचिन तेंदलुकर के लिए मांगी दुआ, कहा- जल्दी ठीक हो जाओ मास्टर

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को कुछ दिनों पहले कोरोना वायरस हुआ था जिसके बाद आज उन्हें अस्तपाल में भर्ती करवाया गया है। इसके बाद से ही दुनिया भर से उनके फैंस और साथी खिलाड़ी उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं। इसमें पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज वसीम अकरम भी शामिल हो गए हैं। अकरम ने कहा, ल्दी ठीक हो जाओ मास्टर। अकरम ने ट्वीट करते हुए लिखा, जब आप 16 साल के थे, तब भी आपने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का हिम्मत और हौसले के साथ सामना किया। मुझे यकीन है कि आप कोविड-19 को भी छक्के के लिए भेजेंगे। जल्दी ठीक हो जाओ मास्टर। डॉक्टरों और अस्पताल के कर्मचारियों के साथ भारत की वर्ल्ड कप 2011 की वर्षगांठ मनाएंगे तो अच्छा होगा। मुझे एक तस्वीर भेजें।' इसके पहले सचिन ने अस्पताल में दाखिल होने की जानकारी देते हुए ट्वीट करते हुए लिखा था, आपकी शुभकामनाओं और प्रार्थनाओं के लिए आभार। चिकित्सा सलाह के तहत एहतियात के तौर पर मैं अस्पताल में भर्ती हो गया हूं। मुझे उम्मीद है कि कुछ दिनों में मैं घर वापस लौट जाऊंगा। सभी अपना ध्यान रखें और सुरक्षित रहें। इसी के साथ ही विश्व कप जीतने के 10 साल की वर्षगांठ पर सचिन ने कहा, हमारे विश्व कप की 10वीं वर्षगांठ पर सभी भारतीयों और मेरे साथियों को बधाई।

पुरानी लय वापस हासिल करना महत्वपूर्ण होगा : रूपिंदर

ब्यूनस आयर्स. भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी डिफेंडर रूपिंदर पाल सिंह का कहना है कि अर्जेंटीना के खिलाफ पुरानी लय को वापस हासिल करना महत्वपूर्ण होगा। रूपिंदर का 2019 में बेल्जियम दौरे के बाद यह पहला विदेशी दौरा है। वह इस साल फरवरी में भारत के यूरोप दौरे में चोट के कारण नहीं जा सके थे। रूपिंदर ने कहा, ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ खेलने के लिए बेहद उत्साहित हूं। प्रतिस्पर्धी हॉकी में खेले हुए लंबा समय हो गया है। मेरा पिछला विदेशी दौरा सिंतबर 2019 में बेल्जियम का था। दुर्भाग्य है कि मैं पिछले यूरोप दौरे पर नहीं जा सका। मैंने इसके लिए काफी मेहनत की थी और मैं जर्मनी तथा ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ खेलने के लिए उत्साहित था। लेकिन चोट के कारण मैं वहां नहीं जा सका, जिसका निजी तौर पर मुझे काफी अफसोस है। उन्होंने कहा, पिछले साल मैं अच्छी फॉर्म में था। अर्जेंटीना के खिलाफ पुरानी लय वापस हासिल करना जरूरी होगा। यह महत्वपूर्ण है कि मैं सामान्य हॉकी खेलूं। मुख्य कोच ग्राहम रीड भी हमेशा कहते हैं कि सामान्य तरीके से खेलना चाहिए। रूपिंदर ने कहा, हम बायो-बबल में ढल गए हैं और प्रोटोकॉल को समझते हैं। हम हॉकी इंडिया और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के आभारी हैं, जिन्होंने यह दौरा आयोजित कराया। पेरिस में हवाई अड्डे पर हमें कमरे दिए गए। यहां भी हमने सामाजिक दूरी का पालन किया और हमेशा मास्क पहने रहे।

सलमान खान वैश्विक ब्रांड एंबेसडर और चिंगारी ऐप के निवेशक बन गए

नई दिल्ली । भारत के सबसे तेजी से बढ़ते मीडिया सुपर एंटरटेनमेंट ऐप चिंगारी द्वारा सलमान खान को आज भारत का वैश्विक ब्रांड एंबेसडर और निवेशक घोषित किया गया है।

सलमान खान भारत के सबसे लोकप्रिय और प्रतिष्ठित अभिनेता और बॉक्स ऑफिस के निर्विवाद राजा हैं। सबसे लोकप्रिय अभिनेता होने के साथ-साथ उन्हें एक सफल निर्माता, सबसे लोकप्रिय टीवी होस्ट और परोपकारी कलाकार के रूप में भी जाना जाता है।

चिंगारी ऐप के सह-संस्थापक और सीईओ सुमित घोष ने कहा, "यह साझेदारी चिंगारी के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है। देश के सभी राज्यों तक पहुंच बनाना हमारी नीति है और सलमान खान का वैश्विक ब्रांड एंबेसडर और निवेशक के रूप में हमारे साथ आना खुशी की बात है। हमें विश्वास है कि हमारा संबंध निकट भविष्य में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने की चिंगारी को मजबूत करेगा।

साझेदारी के बारे में बात करते हुए, सलमान खान ने कहा, "स्पार्क भारत में सबसे लोकप्रिय मनोरंजन ऐप में से एक है और इसका ध्यान अपने उपभोक्ताओं और सामग्री निर्माताओं के लिए मूल्य जोड़ने पर है। इतने कम समय में जिस तरह से चिंगारी ने आकार लिया है, उसे देखकर मैं खुश हूं। यह एक ऐसा मंच है जो गांवों से शहरों तक लाखों लोगों को अपनी विशेष कला और लाखों अन्य लोगों को इसे देखने की अनुमति देता है।

अर्जेंटीना और जर्मनी के दौरे से काफी कुछ सीखा : नवजोत

बेंगलुरु. भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड खिलाड़ी नवजोत कौर का कहना है कि टीम ने अर्जेंटीना और जर्मनी के दौरे से काफी कुछ सीखा है। कोरोना के कारण एक साल के अंतराल के बाद भारत ने विश्व की नंबर-2 टीम अर्जेंटीना और जर्मनी के खिलाफ मैच खेला था। हालांकि उसे दोनों टीमों के खिलाफ जीत नहीं मिली थी। नवजोत ने कहा, ÷एक साल के बाद अंतरराष्ट्रीय मुकाबले नहीं खेलने के बाद पहली बार मैदान पर उतारना हमारे लिए उत्साहजनक था। हालांकि, अर्जेंटीना के खिलाफ नतीजे हमारे अनुरूप नहीं रहे। हमारा निजी और एक टीम के रूप में प्रदर्शन ठीक रहा और हमने अर्जेंटीना और जर्मनी के दौरे से काफी कुछ सीखा। उन्होंने कहा, हमें पता है कि विश्व की शीर्ष टीमें खेल को लेकर किस तरह की तैयारियां करती है। शीर्ष की तीन टीमें और विश्व की अन्य टीमों के बीच बड़ा अंतर है। हम सभी इस बारे में जागरूक हैं कि हमें कहां सुधार करना है। नवजोत ने कहा, पिछले साल हमने ट्रेनिंग सत्र में जो किया हमने उसे कार्यान्वित किया। अब हमें शिविर में डिफेंस और आक्रमण में कुछ काम करने की जरूरत है। नवजोत टोक्यो ओलंपिक को देखते हुए फिलहाल यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में भारतीय टीम के साथ ट्रेनिंग कर रही हैं। शिविर सात अप्रैल को खत्म होगा जिसके बाद 10 दिनों का ब्रेक दिया जाएगा। नवजोत ने कहा, पांच साल का समय काफी लंबा होता है। 2016 रियो डी जेनेरो में मैंने सोचा था कि मैं ओलंपिक के लिए तैयार हूं। लेकिन अब मैं यह कह सकती हूं मेरे खेल में शारीरिक, मानसिक और कौशल स्तर पर बदलाव आया है।

कोविड-19 के कारण रियो ओपन टेनिस टूर्नामेंट रद्द

रियो डी जेनेरियो ≈ ब्राजील में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए इस साल होने वाले रियो ओपन टेनिस टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया है। यह एटीपी टूर्नामेंट फरवरी में होना था लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया था लेकिन अब आयोजकों ने कहा कि महामारी के कारण बनी अनिश्चितता को देखते हुए इसका दोबारा कार्यक्रम तैयार नहीं किया जा सकता है। टूर्नामेंट के निदेशक लुईज कार्वाल्हो ने कहा, 'हमने 2021 में टूर्नामेंट के आयोजन के लिये अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किये लेकिन दुर्भाग्यवश यह संभव नहीं है।% आयोजकों ने कहा कि अगले साल का टूर्नामेंट फरवरी में ही खेला जाएगा।

खिलाड़ियों की तरह अंपायरों की भी लय होती है, फायदा उठाना चाहूंगा: मेनन

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अंपायरों की 'एलीट पैनल' में शामिल होने के बाद पहली श्रृंखला में शानदार अंपायरिंग करने वाले नितिन मेनन ने कहा कि दबाव में उनका प्रदर्शन और सुधर जाता है तथा वह इस बेहतरीन समय (लय) को जारी रखना चाहेंगे। इस 37 साल के अंपायर को पिछले साल जून में कोविड-19 महामारी के दौरान आईसीसी की एलीट पैनल के अंपायरों में शामिल किया गया था लेकिन उन्हें पहली बार मैदान पर उतरने का मौका फरवरी में मिला। महामारी के कारण आईसीसी को द्विपक्षीय श्रृंखला में स्थानीय अंपायरों को नियुक्त करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मेनन ने भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए चार टेस्ट मैच, पांच टी20 मुकाबले और तीन वने मैचों में अंपायर की भूमिका निभाई। श्रृंखला के दौरान सही फैसले के लिए उनकी काफी तारीफ हुई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले चेन्नई में पृथकवास कर रहे मेनन ने पीटीआई-भाषा से बातचीत पिछले दो महीने की चुनौतीपूर्ण समय को दिलचस्पी के साथ याद किया। उन्होंने कहा, 'पिछले 2 महीने बहुत अच्छे रहे हैं। यह शानदार संतुष्टि देता है जब लोग आपके अच्छे काम को देखते हैं और उसकी सराहना करते हैं। इसमें अंपायरिंग करना चुनौतीपूर्ण था क्योंकि विश्व कप चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के लिए दोनों टीमें संघर्ष कर रही थी और विदेशों में प्रभावशाली जीत के साथ यहां पहुंची थी। ऐसी पिचों भी काफी चुनौतीपूर्ण थी।' एस वेंकटराघवन और एस रवि के बाद आईसीसी एलीट पैनल में जगह बनाने वाले तीसरे भारतीय बनें मेनन ने कहा, 'यह श्रृंखला दुनिया की दो शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों के बीच था। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, मुझे खुशी है कि हमने अंपायरिंग टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया।' सीमित ओवरों की श्रृंखला में मेनन के फैसले के खिलाफ 40 बार रेफरल (तीसरी अंपायर की मदद मांगी गई) का इस्तेमाल किया गया लेकिन सिर्फ पांच बार उनके फैसले को बदला गया। लगातार बड़े मैचों में अंपायरिग करने वाले मेनन ने कहा कि यह मानसिक मजबूती के बारे में है। उन्होंने कहा, 'भारत में आयोजित घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंटों के कारण मेरे लिए लगातार मैचों में भाग लेना कोई नयी बात नहीं है। हम रणजी ट्रॉफी (चार दिवसीय प्रथम श्रेणी मुकाबले) में औसतन 8 मैचों में अंपायरिंग करते है। इसमें एक स्थान से दूसरे स्थान के बीच यात्रा भी होती है।

मेरा मानना है कि अंपायरिंग मानसिक मजबूती के बारे में है। जब दबाव ज्यादा होगा तो ध्यान भी ज्यादा देना होगा।'

मोर्गन का बड़ा बयान, 'द हंड्रेड' और दूसरी लीग्स में खेलना चाहते हैं भारतीय क्रिकेटर

कोलकाता। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के प्रारूप के कप्तान इयोन मोर्गन ने दावा किया कि कई भारतीय खिलाड़ी उनके देश की महत्वाकांक्षी 'द हंड्रेड (एक पारी में 100 गेंद का क्रिकेट मैच)' और दुनिया की अन्य फ्रेंचाइजी आधारित क्रिकेट लीगों में भाग लेना चाहते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करने वाले मोर्गन ने खेल के संचालकों से अगले 10 वर्षों के लिए एक खाका तैयार करने का आग्रह किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि शीर्ष खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की जगह आकर्षक निजी लीग में कैरियर बनाने के लिए मजबूर नहीं होना पड़े। मोर्गन ने बिना किसी का नाम लिए कहा, 'हम यहां 'द हंड्रेड' के बारे में बात कर रहे है, लेकिन मुझे पता है कि ऐसे कई भारतीय क्रिकेटर हैं जो 'द हंड्रेड' और दुनिया भर की अन्य प्रतियोगिताओं में खेलना पसंद करेंगे।' उन्होंने कहा, 'उन्हें यात्रा करना और नई परिस्थितियों और संस्कृतियों का अनुभव लेना पसंद है और उनके आने से ऐसे टूर्नामेंटों का महत्व भी बढ़ेगा।' 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट को पिछले साल शुरू होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण उसे एक साल के लिए टाल दिया गया था। मोर्गन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) उन देशों के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा है जिनके खिलाड़ी निजी लीगों को तरजीह दे रहे है। उन्होंने कहा, 'मेरी सबसे बड़ी चिंता यह है कि खेल जिस तेजी से बढ़ रहा है उसमें उस तेजी से बदलाव नहीं आ रहा है।' इंग्लैंड के एकदिवसीय और टी20 टीम के कप्तान ने कहा, 'यह निश्चित रूप से चिंता का विषय है और इसे सुधारने की आवश्यकता है क्योंकि आप दूसरे देश के खिलाफ खेलते समय अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश मैदान में उतारने में सक्षम नहीं है क्योंकि वे दुनिया भर की बड़ी लीगों में खेल रहे हैं।'

गुजरात में जीएसटी संग्रह करीब छह फीसद घट गया

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह अपनी पत्नी साधना सिंह के साथ नर्मदा-सागर संगम स्थल पर पहुंचे

अहमदाबाद ।
केंद्र सरकार का जीएसटी संग्रह भले २७ फीसद बढ़ा है, लेकिन कोरोना महामारी के दौरान गुजरात का जीएसटी संग्रह करीब छह फीसद घटा है, जबकि मूल्य वर्धित कर (वैट) में भी राज्?य को झटका लगा। सरकार का कहना है कि केंद्र से २०२०-२१ में जीएसटी मुआवजा भी २३३७८ करोड़ रुपये कम मिला। कोरोना महामारी का सीधा असर गुजरात की आर्थिक गतिविधियों पर पड़ा। इसके चलते राज्?य का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्?स (जीएसटी) की आवक वर्ष २०२०-२१ में ५.८ फीसद घट गई। पिछले साल २०२९-२० में सरकार को ७८९४४ करोड़ रुपये की आय हुई, जो इस साल ७४३४७ रह गई। राज्?य के व्?यवसायिक कर आयुक्?त जेपी गुप्ता के अनुसार, पिछले साल पहली तिमाही में सब कुछ पूरी तरह बंद रहा। इस कारण जीएसटी संग्रह बुरी तरह प्रभावित हुआ। हालांकि अंतिम तिमाही दूसरी व तीसरी तिमाही से अच्छा रहा। अप्रैल से अगस्त २०२० तक जीएसटी संग्रह में लगातार गिरावट रही, लेकिन सितंबर २०२० से मार्च २०२१ में इसमें बढ़ोतरी देखी गई। मई २०२० में सबसे अधिक ५३.६ फीसद गिरावट आई, जबकि मार्च २०२१ में सबसे अधिक २०.२ फीसद सुधार देखा गया। राज्?य का जीएसटी संग्रह भले घटा, लेकिन केंद्र का २७ फीसद बढ़ा है। गुजरात सरकार ने विधानसभा में पेश अपने आंकड़ों में बताया कि केंद्र से मिलने वाले जीएसटी मुआवजा भी राज्य को २३ हजार करोड़ कम मिला है। सरकार को वर्ष २०२०-२१ में जीएसटी मुआवजा बतौर २९३७.९ करोड़ ही मिला, जबकि ८८६९.६ करोड़ रुपये बतौर ऋण मिला है। इसके अलावा कोविड-१९ के प्रभाव के चलते राज्?य को वैट से होने वाली आय भी बुरी तरह प्रभावित हुई। इधर, गुजरात में पिछले २४ घंटे में कोरोना के २४१० नए मामले सामने आए, २०१५ रिकवर हुए और नौ मौतें हुई हैं। प्रदेश में कुल मामले ३,१०,१०८ हैं। २,९२,५८४ रिकवर हुए। सक्रिय मामले १२,९९६ हैं। कोरोना से अब तक ४,५२८ की मौत हुई है। कुल टीकाकरण ६०,६५,६८२ है।

एसजी हाईवे पर पकवान ओवरब्रिज के बाजु में रोड पर काम चल रहा है। वहा कई जगह खड्डे पड़ गये है।

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे पर टोल टैक्स में बढ़ोतरी

अहमदाबाद ।
कोरोना महामारी के बीच सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल में बढ़ोतरी की वजह से महंगाई अपनी चरमसीमा पर है। ऐसे में अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे टोल टेक्स में होने वाली वृद्धि की वजह से वाहन चालकों को एक और महंगाई की मार झेलने को मजबूर होना पड़ रहा है। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे पर टोल टैक्स वसूलने वाली संस्था आईआरबी कंपनी की घोषणा के अनुसार, १ अप्रैल से कार, जीप, वैन सहित तमाम वाहनों के लिए टोल टैक्स बढ़ा दिया गया है। नए टोल टैक्स के अनुसार, कारों, जीपों और वैन सहित वाहनों को एकल यात्रा के लिए ११० रुपये के बजाय ११५ रुपये का भुगतान करना होगा। इसके अलावा एकल यात्रा के लिए बस और ट्रक को ३८० रुपये के बदले अब ३९० रुपये का टोल वसूला जाएगा। जबकि ४ से ६ एक्सेल ट्रकों के लिए आपको ५९५ रुपये के बजाय सिंगल ट्रिप के लिए ६१० रुपये का टोल टैक्स देना होगा। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे से लोग कुछ ही घंटों में अहमदाबाद से वडोदरा तक पहुंच जाते हैं। इसलिए लोग बड़ी संख्या में अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे का इस्तेमाल करते हैं। टोल टैक्स के मूल्यों में की जाने वाली वृद्धि के बाद वाहन चालको में भारी नाराजगी का माहौल दिखाई दे रहा है। देश में कोरोना की वजह से खराब होती स्थिति की वजह से अफवाह तेज हो गई है कि कोरोना पर काबू पाने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन एक बार फिर लगाया जा सकता है। इस बीच वाहन और परिवहन व्यवसाय से ज ुड़े लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जारी वृद्धि के बीच टोल टैक्स में बढ़ोतरी ने मोटर चालक और ट्रांसपोर्टरों को परेशान कर दिया है।

तेजस एक्सप्रेस पर लगा कोरोना वायरस का ब्रेक

कोरोना महामारी की वजह से अहमदाबाद और मुंबई सेंट्रल के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस रद्द हुई

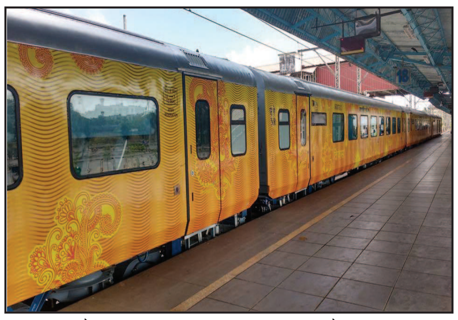

अहमदाबाद ।
भारतीय रेलवे ने महाराष्ट्र और गुजरात में कोरोना के बढ़ते आतंक के बीच तेजस एक्सप्रेस पर ३० अप्रैल तक रोक लगाने का फैसला लिया है। कोरोना महामारी की वजह से अहमदाबाद और मुंबई सेंट्रल के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर ८२९०२/८२९०१) को एक महीने के लिए रद्द कर दिया गया है। इस सिलसिले में पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना महामारी की स्थिति को देखते हुए, तेजस एक्सप्रेस ट्रेन की सेवा आज से एक महीने के लिए रोक दी गई है। इस ट्रेन को पिछले साल भी मार्च से अक्टूबर तक मुंबई-अहमदाबाद रूट पर स्थगित कर दी गई थी। इतना ही नहीं यात्रियों की संख्या में कमी की वजह से नवंबर में भी कुछ समय के लिए ट्रेन सेवा को बंद करना पड़ा था।

ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट ने ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी है। जिन यात्रियों ने २ अप्रैल या उसके बाद के लिए टिकट बुक किया था। उनको भी इस बारे में सूचित कर दिया गया है। जल्द ही उनके टिकट का रिफंड कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कोरोना के बढ़ते आतंक की वजह से महाराष्ट्र में नाइट कर्फ्यू लागू किया गया है। जिसकी वजह से अन्य राज्य से जाने वाले यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच तेजस एक्सप्रेस को इस साल फरवरी २०२१ से सप्ताह में ४ दिन चलाने का फैसला किया गया था। कोरोना वायरस का सबसे ज्यादा प्रभाव महाराष्ट्र में दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को राज्य में ४३,१८३ नए मामले सामने आए। जबकि इस दौरान २४९ लोगों की मौत दर्ज की गई। जिसके बाद राज्य में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर २८,५६,१६३ हो गई है। घातक वायरस की वजह से अब तक ५४,८९८ लोगों की मौत हो चुकी है।

कोविड वैक्सीन लेने के बाद 236 लोग हुए संक्रमित

सूरत । शहर समेत राज्यभर में कोरोना की दूसरी लहर से स्थिति गंभीर होती जा रही है। सूरत में कोविड वैक्सीन लगवाने के बाद 236 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। 6 व्यक्ति ऐसे हैं जिन्होंने कोरोना के दोनों टीका लगवाए थे। बीते एक महीने के भीतर सूरत में 8959 नए केस दर्ज हुए हैं। जिसमें 8 123 लोगों ने कोरोना का टीका नहीं लगवाया था। शेष 236 लोगों ने कोरोना का पहला टीका लगवाया था। जबकि 6 लोग कोरोना के दोनों टीके लगवाने के बाद संक्रमित हो गए। प्रशासन का मानना है कि कोविड वैक्सीन लेने के बाद संक्रमण की संभावना कम होती है। जिसे ध्यान में रखते हुए सूरत महानगर पालिका अब ज्यादा से ज्यादा कोरोना टीका लगाने पर ध्यान देगी। कोरोना टीका लगवाने वाले केवल 236 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। कोरोना की दूसरी लहर में पुलिसकर्मी भी इसके चपेट में आ रहे हैं। सूरत पुलिस के 65 कर्मचारियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बीते दिन सूरत के खटोदरा के पुलिस इंस्पैक्टर कोरोना संक्रमित हुए हैं। 15 दिनों में फ्रंटलाइन वॉरियर्स 65 पुलिसकर्मियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने से पुलिस बेड़े में हड़कम्प मच गया है। बता दें कि सूरत और अहमदाबाद कोरोना होट स्पोट बन गए हैं। गुरुवार को 2410 नए मरीज सामने आए थे, जिसमें आधे से ज्यादा केस अहमदाबाद और सूरत के थे। गत 26 मार्च को गुजरात में कोरोना के 1640 नए केस सामने आए थे। 23 मार्च को 1730, 24 मार्च को 1790, 25 मार्च को 1961, 26 मार्च को 2190, 27 मार्च को 2276, 28 मार्च को 22 10, 29 मार्च को 2252, 30 मार्च को 2220, 31 मार्च को 2360 और 1 अप्रैल को कोरोना का आंकड़ा 2410 पर पहुंच गया।

समरस हॉस्टल में कोविड सेंटर शुरू हुआ

कोरोना मरीजों के इलाज के लिए छात्रावास में रहने वाले ५०० छात्रों को छात्रावास खाली करने का निर्देश

सूरत ।
शहर में कोरोना के दैनिक मामले बीते कुछ दिनों से नए रिकॉर्ड दर्ज किए जा रहे हैं। दैनिक मामलों में दर्ज की जाने वाली वृद्धि की वजह से जिला प्रशासन चिंतित हो गया है। कोरोना संक्रमितों के इलाज के लिए विश्वविद्यालय परिसर में मौजूद राज्य सरकार के समरस हॉस्टल में एक बार फिर कोविड केयर सेंटर की स्थापना की गई है। कोरोना मरीजों के इलाज के लिए छात्रावास में रहने वाले ५०० छात्रों को छात्रावास खाली करने का निर्देश दिया गया है। छात्रों से जब इस बारे में पूछा गया तो छात्रों ने बताया कि हमें कहा गया कि यहां से निकल जाओं नहीं तो कोरोना मरीजों के साथ रहना पड़ेगा। इतना ही नहीं समरस छात्रावास में रहने वाले छात्रों के लिए किसी अन्य जगह पर अभी तक कोई व्यवस्था नहीं की गई है। छात्रों को छात्रावास में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सूरत शहर में मौजूद समरस हॉस्टल में ४ इमारतें हैं। जिसमें से दो इमारतों में ५०० छात्र रह सकते हैं। जबकि अन्य दो इमारतों में ५०० बेड का कोविड केयर सेंटर बनाया गया है। मिल रही जानकारी के अनुसार सभी छात्रों को मौखिक रूप से छात्रावास प्रबंधन ने छात्रावास को खाली करने का आदेश दिया गया है। सूरत नगर निगम ने कोविड केयर सेंटर के लिए समरस हॉस्टल की इमारत ए और बी लेने का फैसला किया है। जबकि सी और डी विंग को भी छात्रावास प्रबंधन ने खाली करवा दिया है। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी आशीष नाइक ने इस सिलसिले में जानकारी देते हुए बताया कि अब तक ८०० बेड का केंद्र स्थापित किया गया है। इसके अलावा शहर के सभी वार्डों में १५०० बेड केयर सेंटर स्थापित किए जाएंगे। जिसमें उन रोगियों को रखा जाएगा जो अपने घर पर होम क्वारंटाइन नहीं हो सकते।

गुजरात में ४.५४ लाख लोगों को दी गई कोरोना वैक्सीन

अहमदबाद ।
घातक कोरोना वायरस पर लगाम लगाने के लिए १६ जनवरी से गुजरात सहित पूरे देश में टीकाकरण अभियान जारी है। गुजरात में कोरोना के बढ़ते आंतक पर काबू पाने के लिए सरकार ने कोरोना वैक्सीनेशन प्रक्रिया को गति देने का फैसला किया है। गुरुवार को एक दिन में ४५ वर्ष से अधिक आयु के ४ ।५४ लाख से अधिक लोगों को टीका लगाया गया है। गुजरात में गुरुवार को ४५ साल से अधिक उम्र के सभी लोगों के लिए टीकाकरण शुरू कर दिया गया है।

१ अप्रैल को एक ही दिन में ४,५४,६३८ लोगों को कोरोना वैक्सीन दी गई। इनमें से, ३,६९,२६२ लोगों को पहली डोज सिनीयर सिटीजन और ४५ वर्ष से ज्यादा उम्र के गंभीर बीमारी से पीड़ति लोगों को टीका लगाया गया। जबकि २८,६३५ को वैक्सीन की दूसरी खुराक दी गई। अब तक ५३,६८,००२ लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक दी गई है। जबकि ६,९७,६८० लोगों को वैक्सीन की दूसरी खुराक दी गई है। अब तक राज्य में ६०,६५,६८२ लोगों को १६ जनवरी को शुरू किए गए टीकाकरण अभियान के तहत कोरोना के खिलाफ टीका लगाया गया है। अहमदाबाद की बात करें तो AMC के स्वामित्व वाले अस्पतालों के अलावा शहरी स्वास्थ्य केंद्रों, सरकारी और निजी अस्पतालों सहित टीकाकरण केंद्रों में गुरुवार को ३२,९३७ लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया है।

सूरत में वजन घटाने के लिए शारीरिक परीक्षण के बाद घर गए एक जमीन दलाल की 24 घंटे के भीतर संदिग्ध मौत

सूरत।
जमीन दलाल, जो सूरत शहर में वजन घटाने के लिए एक शारीरिक परीक्षा से गुजरने के बाद घर गए, जिसके बाद 24 घंटे के अंदर ही उनकी मृत्यु हो गई। 38 साल के मुन्नासिंह राजपूत का वजन 175 किलो था। वर्तमान में मौत का कारण निर्धारित करने के लिए एक पोस्टमार्यम टेस्ट किया गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि मौत डॉक्टरों द्वारा एनेस्थीसिया देने की वजह से हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, डिंडोली क्षेत्र के अयोध्या नगर में यूपी के मूल निवासी मुन्नासिंह विसर्जन सिंह राजपूत (उम्र 38) अपने माता-पिता, छोटे भाई और पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते थे और जमीन दलाल के रूप में काम करते थे। मुन्नासिंह 165-175 किलोग्राम वजन का होने के कारण परेशान था। बुधवार को अड़ाजन के एक निजी अस्पताल में वजन घटाने के लिए एक शारीरिक परीक्षा करवाई। जहां सभी रिपोर्ट एनेस्थीसिया के तहत दी गई थी। फिर रात 9 बजे घर जाने के बाद, उन्हें गुरुवार को सांस लेने में परेशानी होने लगी।

गुरुवार को शाम 4 से 7 बजे के बीच नजदीकी अस्पताल में नियुक्ति के लिए आवेदन किया गया था। गुरुवार को मुन्नासिंह के साथ दोस्त दोपहर 3 बजे तक उनके साथ थे फिर अपने घर चले गए। दोस्त शाम 5 बजे मुन्नासिंह के घर वापस लौटे। परिवार ने कहा कि वे सो रहे हैं इसके बाद दोस्त उन्हें उठाने लगे पर वे न उठे। उसके बाद 108 बुलाकर सिविल अस्पताल लाया गया जहाँ डोक्टरो नेउन्हें मृत घोषित किया।

२५ साल बाद बरी हुआ दुष्कर्म का आरोपी

पीड़िता की मां ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग पुत्री से आरोपी ने मौका पाकर दुष्कर्म किया

अहमदाबाद ।
महानगर के एक युवक को लड़की से दुष्कर्म के मामले में बरी होने में २५ साल लग गए। पीड़ति पिछले २० साल से उसकी पत्नी है तथा उनके दो बच्चे हैं। सास और पत्नी के बयान बदलने के बाद सेशन कोर्ट में आरोपी को इस मामले में बरी कर दिया। अहमदाबाद के नारायणपुरा पुलिस थाने में पीड़ति की मां ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग पुत्री अक्टूबर १९९६ में अपने दोस्त के घर से आने में लेट हो गई थी। आरोपी ने मौका पाकर उसका अपहरण किया तथा उसके साथ दुष्कर्म किया। इसकी शिकायत के बाद आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया तथा कुछ समय बाद उसको जमानत मिल गई।

आरोपी युवक ने पीड़ति से विवाह कर लिया तथा अब उनके दो बच्चे हैं। वर्ष २०१६ में इस केस की अहमदाबाद के सेशन कोर्ट में ट्रायल शुरू हुई तथा शिकायतकर्ता महिला जो अब आरोपी की सास है, तथा पीड़ति दोनों ने ही अपने बयान बदल दिए। पीड़ति ने बताया कि वह आरोपी के साथ प्रेम संबंध में थी तथा अब दोनों पति-पत्नी हैं और उनका परिवार खुशहाली से रह रहा है। जबकि उसकी मां ने बताया कि उस वक्त पीड़ति बालिग हो चुकी थी जिसकी पुष्टि अहमदाबाद महानगरपालिका के सिविक सेंटर ने भी की है।

सेशन कोर्ट के जज ने इस मामले में आरोपी बेनिफिट आफ डाउट देते हुए इस मामले से बरी कर दिया। करीब २५ साल बाद आरोपी दुष्कर्म के आरोपों से मुक्त हो गया। पीड़ति के साथ उसने घटना के कुछ समय बाद विवाह कर लिया था तथा बाद में कुछ पीड़ति ने भी यह स्वीकार किया कि वह उसके साथ प्रेम करती थी तथा आरोपी ने उसके साथ कोई जबरदस्ती नहीं की।

१९९६ में शिकायत के बाद केस चलता रहा तथा आरोपी जमानत पर छूट गया। आरोपी ने पीड़ति के साथ विवाह कर लिया तथा इससे लड़के एवं लड़की दोनों की ही परिवार वालों को कोई आपत्ति नहीं थी जिसके चलते दोनों ही पक्ष में केस को आगे चलाने में कोई रुचि नहीं दिखाई जिसके चलते २०१६ में इस मामले का ट्रायल शुरू हुआ। आरोपी की पत्नी व सास दोनों ने ही अपने बयान बदल दिए तथा आरोपी को एक जिम्मेदार व्यक्तिबताया जिसके चलते अदालत में भी इस मामले का संज्ञान लेते हुए उसे आरोपों से बरी कर दिया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)